वर्ष-07 , अंक - 76 | मंगलवार 29 अगस्त 2023 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक : पांच वर्षों में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास

1 करोड़ 36 लाख लोग निकले गरीबी रेखा से बाहर

आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के लक्ष्य को पूरा करने में मध्यप्रदेश लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-21 की अवधि में देश में 13.50 करोड़ और मध्यप्रदेश में 1 करोड़ 36 लाख लोग गरीबी से मुक्त हुए हैं।

मध्यप्रदेश सरकार का गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम सिर्फ राजनीतिक नारा ही नहीं है। यह बात हाल ही में आई नीति आयोग की 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक एक प्रगति सम्बंधी समीक्षा 2023' रिपोर्ट में स्पष्ट है। प्रदेश की शिवराज सिंह सरकार के जन कल्याणकारी कार्यक्रमों और कमजोर वर्ग की आर्थिक स्थिति सुधारने के अनवरत प्रयासों के चलते विगत पांच वर्षों (2015-16 से वर्ष 2020-21 की अवधि) में मध्यप्रदेश के 1 करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी से मुक्त कराया गया है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश देश के उन चुनिंदा राज्यों में है, जिसने कोविड जैसी महामारी के दौरान भी अपनी अर्थ व्यवस्था को पटरी से उतरने नहीं दिया। कोविड काल में प्रति व्यक्ति आय में स्थिर भावों के आधार पर थोड़ी कमी जरूर आई, लेकिन प्रचलित भाव पर आय में बढ़ोतरी का ट्रेंड बना रहा। वर्ष 2019-20 यानी कोविड की शुरुआत वाले वर्ष में राज्य में प्रचलित भावों पर 1,03,654 हो गई। मध्यप्रदेश के लिए यह गर्व का विषय है, कि राज्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जिक्र संसद में भी हुआ है। देश के कई राज्यों की तुलना में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि पर मध्यप्रदेश का प्रदर्शन बहुत बेहतर रहा है। राज्य में प्रति व्यक्ति आय विगत तीन वर्षों में 1,03,654 रुपए से बढ़कर 1,40,583 हुई है। मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय का बढ़ना निश्चित ही आर्थिक प्रगति का पुख्ता संकेत है।

प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के ये परिणाम शिवराज सरकार के अथक और निरंतर प्रयासों से प्राप्त हुए हैं। जन सामान्य, सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों, औद्योगिक समूहों, विश्वविद्यालय के विमर्श समूहों, मीडिया संस्थानों आदि से सही और सटीक जानकारी प्राप्त कर, नीति निर्माण के प्रयास हो रहे हैं।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के पैरामीटर

नीति आयोग की दूसरी रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश के जितने लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर लाया गया है। वह संख्या सिंगापुर और लीबिया जैसे देशों की कुल आबादी के दोगुने से भी अधिक है। राज्य द्वारा राष्ट्र से बहुआयामी गरीबी के बोझ को कम करने में 10 प्रतिशत का योगदान दिया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर बहुआयामी गरीबी सुचकांक में तीन समान महत्व वाले आयाम हैं। इन्हीं आयामों के माध्यम से बहुआयामी गरीबी सूचकांक द्वारा गरीबी को मापने का प्रयास किया जाता है तथा यह प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय के आधार पर वर्तमान गरीबी के आंकड़ों का पूरक है। यह तीन आयाम सतत विकास के लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं, जिन्हें बारह सांकेतकों, पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, आवास, संपत्ति और बैंक खाते द्वारा दर्शाया जाता है। एक व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब है यदि वह भारित संकेतकों (12 संकेतकों में से) के एक-तिहाई या अधिक से वंचित है। जो लोग भारित संकेतकों के आधे या अधिक से वंचित हैं, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहने वाला माना जाता है ।

राज्य में लगातार बढ़ रही हैं प्रति व्यक्ति आय

मध्यप्रदेश द्वारा आर्थिक प्रगति के संदर्भ में किये गये इन प्रयासों के सकारात्मक परिमाण के पीछे जो पृष्ठभूमि है, उसे भी जानना जरूरी है। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। मध्यप्रदेश ने इसी संदर्भ में 550 बिलियन डॉलर का योगदान देने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में दिन-रात काम हो रहा है। प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं के संचालन और विकास कार्यों के लिए बजट में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के बजट का आकार वर्ष 2001-02 की तुलना में वर्ष 2023 में बढ़कर 2,47,715 करोड़ रुपए हो गया है। यह वृद्धि तब की तुलना में लगभग 15 गुना अधिक है। राज्य द्वारा लगातार राजकोषीय अनुशासन का निरंतर पालन करने से ऋण-जीएसडीपी अनुपात - जो वर्ष 2005 में 39.5 प्रतिशत था, वह घटकर 22.6 प्रतिशत हो गया है यानी कर्ज का भार कम हुआ है।

शिवराज की कोशिशें रंग लाई, बीमारू से स्वस्थ एवं शिक्षित बना मध्यप्रदेश

1980 के दशक में मध्यप्रदेश की कमजोर और लघु अर्थ व्यवस्था, पिछड़ी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को आधार बनाकर मध्यप्रदेश को बीमारू राज्यों की श्रेणी में डाल दिया गया था । इस श्रेणी से बाहर आने के लिए उपरोक्त क्षेत्रों में सुधार के लिए अधिक पूंजीगत व्यय की आवश्यकता थी। मध्यप्रदेश का बुनियादी ढांचा बजट 2002-03 में 3,878 करोड़ रुपए से बढ़कर 2023- 24 में 56,464 करोड़ रुपए हो गया है। मध्यप्रदेश ने जीएसडीपी की 6.65 प्रतिशत दशकीय विकास दर बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है। 2022 - 23 में, राज्य की जीएसडीपी आधार वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर 7.06 प्रतिशत बढ़ी जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। इसी अवधि में, राज्य में प्रति व्यक्ति आय 38,497 रुपए से बढ़कर 65,023 रुपए हो गई है, जो 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। प्रचलित भावों के आधार पर राज्य की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय वर्ष 2021- 22 में 1,21,594 रुपए से बढ़कर वर्ष 2022-23 (अग्रिम) में 1,40,583 हो गई, जो 15.62 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2030 की तय समय-सीमा से पहले ही एसडीजी लक्ष्य यानि 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल' के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ गया है। इससे सभी का विकास सुनिश्चित करने और गरीबी हटाने के लक्ष्यों को बल मिला है और सरकार और शासन की इस लक्ष्य के लिए प्रतिबद्धता भी दिखी है।

■ इम्पेक्ट फीचर

पोषाहार : प्रदेश में 191 केंद्रों पर संचालित हो रही दीनदयाल रसोई

एमपीआई 2023 रिपोर्ट में मध्यप्रदेश ने पोषण सूचकांक में उच्चतम प्रतिशत की प्रगति प्राप्त की है। मध्यप्रदेश के इस प्रयास से पूरी तरह स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश उन लोगों को पोषण तक पहुंच प्रदान करने में सफल हुआ है जो बहुआयामी रूप से गरीब नहीं हो सकते हैं, लेकिन पोषण तक पहुंच की कमी है। वर्तमान में, राज्य में 518 लाख लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। गरीबों के लिए रियायती भोजन प्रदान करने के लिए १९१ से अधिक दीन दयाल रसोई केंद्र संचालित हैं। महिलाओं और बच्चों में आयरन की कमी को दूर करने के लिए फोर्टिफाइड चावल वितरित किए जाते हैं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और महिला बाल विकास विभाग के वार्षिक बजट में पिछले दो दशकों में क्रमशः 4 गुना और 5 गुना की वृद्धि की गई है।

दो दशकों में प्रदेश का कायाकल्प हुआ

आज मध्यप्रदेश यदि सशक्त मध्यप्रदेश के रूप में गरीबी उन्मूलन योजनाओं में अग्रणी बना है, तो इसके पीछे गत दो दशक में बिजली, पानी, सड़क, सिंचाई जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं को मजबूत बनाने के निरंतर प्रयास शामिल हैं। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने और आर्थिक विकास दर बढ़ाने के प्रयास सफल हुए हैं। मध्यप्रदेश ने जो उपलब्धि अर्जित की है, वह गर्व का विषय है। मध्यप्रदेश में सामाजिक व्यय के लिए निरंतर बुनियादी नागरिक सुविधाएँ बढ़ाएंगे और कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन को मजबूत बनाएंगे। गरीब कल्याण हमारा दृढ़ संकल्प है।

-शिवराज सिंह चौहान,
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में हो रहा निरंतर सुधार

एमपीआई 2023 के अनुसार, मध्यप्रदेश में गरीबी में जो भारी गिरावट आई है, वह सिर्फ नागरिकों की आय में सुधार मात्र से नहीं आई है, बल्कि पोषण, मातृ स्वास्थ्य और स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में 45 प्रतिशत से अधिक सुधार के कारण आई है। यह रिपोर्ट संकेत देती है कि मध्यप्रदेश एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधे से कम करना) को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही यह लक्ष्य निर्धारित अवधि 2030 से पहले ही प्राप्त कर लिया जाएगा। मध्यप्रदेश में महिलाओं के लिए लगातार योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी तरह सीएम राइज जैसे स्कूलों ने मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य और बच्चों को बेहतर शिक्षा वाली सोच के मद्देनजर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाते हुए न सिर्फ आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि उनके सपनों को पंख देने की भी पहल कर रही है। सरकार ने पिछले कुछ सालों से लगातार शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के जरिए जो कदम उठाए हैं, उससे स्पष्ट है कि वह प्रदेश की प्रगति में युवाओं और महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की हर संभव कोशिश कर रही है।

पिछले दो दशकों में राज्य ने देखा औद्योगिक विकास का नया चेहरा

प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों को प्रोत्साहित करने दो वर्ष में 573 करोड़

एमएसएमई सेक्टर में रोज़गार का सृजन

मध्यप्रदेश के गठन के बाद लंबे समय तक तत्कालीन सरकारों की नीतियों के चलते राज्य के औद्योगिक ढांचे को मजबूती देने और प्रदेश के विकास में सक्रिय रूप से भागीदार बनाने की बातें तो बहुत हुईं, लेकिन जमीन पर काम न के बराबर दिखाई दिए । मध्यप्रदेश की अर्थ व्यवस्था भले ही कृषि प्रधान हो, लेकिन इसे विकास के उच्च स्तर पर ले जाने के लिए औद्योगीकरण बहुत जरूरी है, ग्रामीण अर्थ व्यवस्था में भी छोटे एवं मध्यम उद्योगों की विशेष भूमिका है इस दृष्टि से शिवराज सरकार ने प्रदेश में इस क्षेत्र की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके अनुकूल नीति निर्माण किया है। वर्ष 2022-23 में नवम्बर 2022 तक राज्य में 2.13 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना हुई जिसमें 11.30 लाख लोगों को संभावित रोजगार उपलब्ध कराया गया। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2021-22 में 392 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता और वर्ष 2022-23 में 181 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण

अर्थ व्यवस्था को बढ़ाने के लिए राज्य के प्राथमिकता क्षेत्रों में ऋण का विस्तार किया गया है जिसका मान 9,437 करोड़ रुपए से बढ़कर रुपए 2,15,427 करोड़ रुपए हुआ है। कृषि ऋण में 13.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और एम.एस.एम.ई. में 30.22 की वृद्धि की गई। राज्य में कृषि को कुल ऋण 32.2 प्रतिशत मिला जो 18 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

जन-धन खाते

वित्तीय समावेशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री जन-धन योजना में प्रदेश में जुलाई-2023 तक कुल 4.18 करोड़ खाते खोले गए हैं। डिजिटल इंडिया के तहत प्रदेश के तीन जिलों बैतूल, इंदौर और विदिशा ने 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन कर डिजिटल जिले का दर्जा हासिल किया है।

जन-जन तक पहुँच और जन भागीदारी

सीएम हेल्पलाइन पर 2 करोड़ समस्याओं का निवारण

प्रदेश में जन सामान्य की सुविधा से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए ई-गवर्नेंस, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, समाधान ऑनलाइन जैसे प्रयास सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सुशासन का सबसे चड़ा उदाहरण मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नम्बर 181 है। इस पर वर्ष 2014 से लेकर जनवरी 2023 तक प्राप्त 2 करोड़ 5 लाख से अधिक शिकायतों में से 98.8 प्रतिशत का निवारण कर दिया गया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 पारित करने वाला देश का पहला राज्य है। इसमें 48 विभागों की 696 सेवाएँ अधिसूचित है। मध्यप्रदेश ने जन भागीदारी से स्वच्छता क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2022 में प्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही 11 प्रमुख शहरों को राष्ट्रीय स्तर का सम्मान मिला है। प्रदेश के 98 शहर स्टार रेटिंग प्राप्त करने में सफल रहे हैं। इंदौर लगातार छठवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है।

बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाया, अन्य क्षेत्रों में भी किया काम

बीस सालों में 11 हजार से 1 लाख 40 हजार पहुँची प्रति व्यक्ति आय

गरीबी की परिभाषा क्या है? बुनियादी आवश्यकता रोटी, कपड़ा, मकान, रोज़गार का साधन, पढ़ाई और दवाई की व्यवस्था ही गरीबी से मुक्ति नहीं है। प्रत्येक मनुष्य सुखी जीवन का आकांक्षी होता है। मध्यप्रदेश में आमजन के अधिकारों और संस्कृति के संरक्षण के साथ इसी आकांक्षा को पूरा किया जा रहा है।

एक समय था, मध्यप्रदेश में न बिजली थी, न पर्याप्त सड़कें, न पानी की व्यवस्था। आज इन बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के साथ ही मध्यप्रदेश में लगभग दो दशक में साढ़े ७ लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता को बढ़ाकर 47 लाख हेक्टेयर तक लाने में सफलता मिली है। अनाज का उत्पादन बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय जो मात्र 11 हजार थी, आज बढ़कर एक लाख 40 हजार रुपए हो गई है। देश की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश का योगदान 3 प्रतिशत से बढ़कर 4.8 प्रतिशत हुआ है। प्रदेश की अर्थ व्यवस्था लंबे समय से कृषि, खाद्य प्रबंधन एवं प्राकृतिक संसाधनों पर ही निर्भर रही है। लेकिन इन क्षेत्रों में पिछले करीब दो दशकों में जो सुधार और नवाचार हुआ है, उसने राज्य को देश के कृषि आधारित राज्यों की सूची में अग्रणी बना दिया है। शिवराज सिंह सरकार के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज देश में खाद्यान्न का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। वर्ष 2013-14 में राज्य ने जहां 174.8 लाख टन गेहूं का उत्पादन किया था, वहीं 2022-23 में यह बढ़कर 352 लाख टन हो गया है। इसी तरह धान का उत्पादन भी 53.2 लाख से बढ़कर 131.8 लाख टन पर पहुंच गया। फसल क्षेत्र में 5.46 प्रतिशत की वृद्धि और कुल फसलों के उत्पादन में वर्ष 2021-22 में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शिवराज सरकार ने प्रदेश की खेती-किसानी को बढ़ावा देने के लिहाज से सबसे अधिक ध्यान सिंचाई सुविधाओं पर दिया है। कुल 90 लाख कृषकों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा का लाभ दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों को भी दिया खुद का आशियाना

प्रदेश में प्रति ग्राम पंचायत घरों की संख्या 2003 के 3 से बढ़कर 2022-23 में 165 हो गई है। यह सफलता प्रधानमंत्री आवास योजना में कम और मध्यम आय वाले निवासियों के लिए किफायती आवास के निर्माण के कारण मिली है। अगस्त 2023 तक, पीएमएवाई (ग्रामीण) में कुल 35 लाख और पीएमएवाई (शहरी) में लगभग 7 लाख घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। एमपीआई-2023 के अनुसार, मध्यप्रदेश में आवास से वंचित लोगों की संख्या में काफी कमी देखी गई है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में पात्र परिवारों को आवासीय भूखंड प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' शुरू की गई। योजना में जून 2023 तक, लगभग 40,000 लाभार्थियों को भूमि पट्टे मिल चुके हैं।

सांस्कृतिक विरासत को सहेज जनजातीय गौरव बढ़ाया

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं जनजातीय पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए विकास का मॉडल रचा गया है। राज्य में संस्कृति विभाग, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग, राज्य आनंद संस्थान द्वारा संस्कृति और आध्यात्मिकता के विकास और संवर्धन में योगदान देने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इनके अतिरिक्त, शहरी विकास और आवास जैसे विभागों ने भी राज्य में संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पहल की हैं। धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के वर्ष 2019-20 में 55.08 करोड़ के बजट की तुलना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह राशि 88.23 करोड़ हो गई है। संस्कृति विभाग हेतु वर्ष 2022-23 हेतु 670.64 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के ग्रामों एवं शहरों में आम जनता की भागीदारी से ग्राम गौरव दिवस और नगर गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

D16227/23

■ इम्पेक्ट फीचर

भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी

इंदौर छठी बार देश की सबसे क्लीन सिटी के बतौर बरकरार

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत, मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के संदेश को किया आत्मसात
- इंदौर ने नए प्रयोग कर वेस्ट टू वेल्थ के सस्टेनेबल मॉडल को किया स्थापित

> समाज और राष्ट्र के निर्माण में स्वच्छता की बुनियादी भूमिका के बारे में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विजन से एक सुनियोजित अभियान का रूप दिया है। गंदगी अगर सबसे ज्यादा नुकसान किसी का करती है, तो वो गरीब है। गंदगी, गरीब से उसकी ताकत छीन लेती है। शारीरिक ताकत भी और मानसिक ताकत भी। स्वच्छ भारत अभियान की यात्रा हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है। मध्यप्रदेश ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जो हासिल किया है, वो हमें आश्वस्त करता है कि हर प्रदेशवासी अपने कर्तव्यों के लिए कितना संवेदनशील है।
>
> - शिवराज सिंह चौहान,
> मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए देश के सभी नागरिकों से इस अभियान से हर स्तर पर जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री के इस प्रयास को मध्यप्रदेश ने पूरे दिल से निभाया और सबसे स्वच्छ शहर के तमगे को अपने नाम किया। स्वच्छता अभियान में इंदौर ने इतिहास रचते हुए लगातार छह बार देश की सबसे क्लीन सिटी होने के गौरव को बरकरार रखा।

खास बात यह कि इंदौर ने नए-नए प्रयोग कर वेस्ट टू वेल्थ के सस्टेनेबल मॉडल को स्थापित किया। एशिया के सबसे बड़े 550 टन प्रतिदिन की क्षमता का बायो सीएनजी प्लांट स्थापित कर 2.52 करोड़ की सालाना आय भी शुरू की। दूसरे शहर जहां कचरे की प्रोसेसिंग में करोड़ों खर्च कर रहे हैं वहीं, मध्यप्रदेश का इंदौर शहर कार्बन क्रेडिट सहित कचरे के उत्पादों से 12 करोड़ रुपए सालाना कमा रहा है। इंदौर इकलौता शहर है, जिसने कचरे के कलेक्शन और ट्रांसपोर्टेशन पर शत-प्रतिशत यूजर चार्ज वसूले और जीरो कॉस्ट मॉडल पेश किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में स्वच्छ इंदौर का खाका तैयार हुआ डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की शुरुआत से लोगों को जागरूक किया गया और शहरभर में सभी स्थानों पर न केवल शौचालय बनाए गए बल्कि उनकी नियमित साफ-सफाई शुरू हुई।

मप्र के खाते में आए 16 अवॉर्ड, उज्जैन- खजुराहो भी रहे अग्रणी

स्वच्छ सर्वेक्षण - 2022 में इंदौर 7 स्टार रेटिंग पाने वाला पहला शहर बना तो भोपाल को 5 स्टार रेटिंग के साथ देश की स्वच्छतम स्व- संवहनीय राजधानी में स्थान मिला। मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के लिए कुल 16 अवॉर्ड अपने नाम किए। उज्जैन को एक लाख से अधिक जनसंख्या श्रेणी के शहरों में सर्वश्रेष्ठ नागरिक सहभागिता के तौर पर सम्मानित किया गया तो इंडियन स्वच्छता लीग में उत्तम प्रदर्शन के लिये उज्जैन और खजुराहो को नेशनल अवार्ड मिला। एक लाख से 3 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में देश का सिटीजन फीडबैक का अवॉर्ड छिंदवाड़ा को प्राप्त हुआ। 15 हजार से 25 हजार जनसंख्या श्रेणी में स्व-संवहनीय शहर का सम्मान पश्चिम जोन में मुंगावली को मिला। पश्चिम जोन के 50 हजार से एक लाख जनसंख्या श्रेणी के शहरों में स्व-संवहनीय शहर का अवार्ड खुरई को प्राप्त हुआ। देश के तीसरे सबसे स्वच्छ कैंट का अवॉर्ड महू कैंट को मिला। इन प्रयासों के मूल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन का योगदान है। उनके मार्गदर्शन में जन-प्रतिनिधियों, सफाईकर्मियों, आशासकीय संगठनों और आम नागरिकों ने परस्पर सहयोग और सहभागिता का अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्वच्छ भारत मिशन शहरी सरकार का मात्र एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन है। स्वच्छता की दिशा में प्रदेश के नागरिक और अन्य हित धारकों के सामूहिक प्रयासों से मध्यप्रदेश स्वच्छ, स्वस्थ व समृद्र प्रदेश के रूप में उभरा है। ये प्रयास अब एक अभियान का सशक्त माध्यम बन चुके हैं।

राज्य में अब तक बने पांच लाख से अधिक व्यक्तिगत निजी शौचालय

भारतीय संस्कृति में स्वच्छता का बहुत महत्व रहा है। आंतरिक शुचिता के साथ ही बाह्य स्वच्छता हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग माना गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारे देश ने वर्ष 2014 में स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और स्वच्छ भारत मिशन के रूप में विश्व के सबसे बड़े जन-आंदोलन की शुरुआत हुई। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से कार्यान्वित किए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन - शहरी ने पिछले 7 वर्षों में बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं। आज शहरी भारत 100 फीसदी खुले में शौच से मुक्त हो चुका है। साथ ही, सॉलिड वेस्ट के निस्तारण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जहां 2014 में प्रतिदिन केवल 26,000 मीट्रिक टन कूड़े का निष्पादन होता था, वह आज बढ़कर 1 लाख मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया है। स्वच्छता का विषय हर नागरिक के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ है। लोगों के दृष्टिकोण में स्वच्छता के प्रति आए सकारात्मक बदलाव का परिणाम साफ सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों के साफ-सुथरे रूप में देखा जा सकता है।

प्रदेश में 20 हजार से अधिक सार्वजनिक शौचालयों का सुधार

वर्ष 2014 में शिवराज सरकार ने प्रधानमंत्री के सपने को पूरा करने प्रदेश को खुले में शौच से मुक्त करने का संकल्प लिया था। इसके तहत अब तक 5 लाख 80 हजार से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों तथा 20 हजार से अधिक सार्वजनिक शौचालयों में सीटों का निर्माण किया जा चुका है। करोड़ों माताएं-बहनें अब अंधेरे के इंतजार से मुक्त हुई हैं। उन लाखों मासूमों का जीवन अब बच रहा है, जो भीषण बीमारियों की चपेट में आकर हमें छोड़ जाते थे। स्वच्छता की वजह से गरीब के इलाज पर होने वाला खर्च अब कम हुआ है। मध्य प्रदेश के कदम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

इस अभियान ने ग्रामीण इलाकों, आदिवासी अंचलों में लोगों को रोजगार के नए अवसर दिए हैं। पहले शहरों में कचरा सड़कों पर होता था, गलियों में होता था, लेकिन अब घरों से न केवल डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन पर बल दिया जा रहा है, बल्कि वेस्ट सेग्रीगेशन पर भी जोर दिया जा रहा है। बहुत से घरों में अब लोग गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रख रहे हैं। घर ही नहीं, घर के बाहर भी अगर कहीं गंदगी दिखती है, तो लोग स्वच्छता ऐप से उसे रिपोर्ट करते हैं और दूसरे लोगों को जागरूक भी करते हैं। वेस्ट-टू- वेल्थ के संकल्प को साकार करने की दिशा में हाल ही में 550 मीट्रिक टन क्षमता वाले बायो सीएनजी प्लांट का शुभारंभ इंदौर में किया गया। भोपाल तथा जबलपुर में भी गोबर-धन बायो- सीएनजी प्लांट लगाए जा रहे हैं। प्रदेश के शत- प्रतिशत नगरीय क्षेत्रों में कचरा संग्रहण किया जा रहा है। इसके लिए नगरीय निकायों को 5 हजार 423 से अधिक मोटराइज्ड वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन वाहनों में जीपीएस और पीए सिस्टम भी लगाए गए हैं।

400 नगरीय निकायों में 384 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी इकाइयों का निर्माण

स्वच्छता मिशन के जरिए कचरे से मुक्ति के प्रयास

प्रदेश में गीले और सुखे कचरे को अलग-अलग निष्पादित करने के लिए विशेष तकनीकी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत गीले कचरे की प्रोसेसिंग के लिये होम कम्पोस्टिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 400 निकायों की 376 केंद्रीयकृत कम्पोस्टिंग इकाइयों में संग्रहीत गीले कचरे की कम्पोस्ट बनाई जाती है। यह कम्पोस्ट नगरीय क्षेत्रों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में खाद के रूप में उपयोग की जाती है वहीं 400 नगरीय निकायों में 384 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी इकाइयों का निर्माण किया गया है, जिनसे सूखे कचरे का प्र-संस्करण किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी निकायों में लीगेसी अपशिष्ट को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य सरकार की ओर से तय किया गया है, जिसमें से 58 निकायों में शत- प्रतिशत लीगेसी अपशिष्ट प्रसंस्करण किया जा चुका है। 60 नगरीय निकाय को 5 एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्लस्टर में कवर किया गया है। इसके अलावा 3 नगरीय निकायों में स्टेंड अलोन परियोजनाएं भी पूरी हो चुकी हैं, जबकि 4 नगरीय निकाय

मध्यप्रदेश का हर शहर अगले पाँच वर्ष में होगा पूरी तरह से कचरा मुक्त

में इनका क्रियान्वयन जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। शेष 346 निकायों में स्टेंड अलोन परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा खाका तैयार कर लिया गया है।

फौकल स्लज के निष्पादन को प्राथमिकता में शामिल करते हुए 354 एफएसटीपी और 18 निकायों में 53 एसटीपी संचालित है। स्वच्छ भारत मिशन-2 के तहत मध्यप्रदेश को कचरा मुक्त बनाने के प्रयास शिवराज सरकार द्वारा तेज कर दिए गए हैं। इसके लिए सभी नगरीय निकायों में कचरा प्र-संस्करण क्षमता को 75 प्रतिशत तक बढ़ाया जा रहा है। साथ ही हर जिले में लैंडफिल साइट का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश के शहरों को लीगेसी वेस्ट और डंप साइट से पूरी तरह से मुक्त कर कचरे के उत्सर्जन को नियंत्रित करते हुए उसके शत-प्रतिशत निष्पादन का लक्ष्य पहले ही तय कर दिया गया है।

स्वच्छ और स्वस्थ मध्यप्रदेश : लोगों को नए आइडियॉज पर काम करने के लिए उत्साहित कर रहा

आम लोगों ने अपनाया रिड्यूज, रियूज और रिसाइकल का फॉर्मूला

स्वच्छ मध्यप्रदेश और स्वस्थ मध्यप्रदेश लोगों को नए आइडियॉज पर काम करने के लिए उत्साहित कर रहा है। इसी के तहत प्रदेश की रतलाम नगर पालिका निगम ने शहर के हर जोन में कुल चार आरआरआर (रिड्यूज, रियूज और रिसाइकल) केंद्र स्थापित किए हैं। शुरुआत में इन केंद्रों को 20 दिनों के लिए खोला गया था, जिसमें 2777 लोगों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। लोगों के उत्साह और सक्रियता को देखते हुए इनकी संख्या बढ़ाकर 12 कर दी गई और इसमें से भी 4 को स्थायी रूप से चलाया जा रहा है। इन केंद्रों की मदद से लोगों को इस बात के लिए जागरूक किया जा रहा है कि कम से कम उत्पादों को किस तरह से ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सकता है और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके तहत शहर के कालिका माता उद्यान और मानस भवन उद्यान में प्लास्टिक पेड़ का विकास किया गया। ये पेड़ पूरी तरह से रिसायकल मटेरियल जैसे प्लास्टिक बोतलों से निर्मित हैं, जो सामग्री के पुनः उपयोग का प्रदर्शन करता हैं। इसके अलावा स्थानीय सेल्फ हेल्प ग्रुप्स की मदद से पुराने कपड़े, बैग्स एवं घर की सजावटी वस्तुओं को नए स्वरूप में तब्दील करते हुए उनका वितरण किया गया है।

रतलाम में आरआरआर मॉडल - बेकार उत्पादों का किया जा रहा दोबारा इस्तेमाल

स्वच्छ बुधनी मॉडल : कचरे का रिसायकल बना आय का स्रोत

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बुधनी जैसा छोटा शहर आज नगर परिषद के लिए कचरे से अपार धन लाभ का साधन बन गया है। बुधनी में नगर निकाय द्वारा सभी घरों से सूखे एवं गीले कचरे को अलग-अलग एकत्रित करके शहर के बाहर बने कचरा प्रोसेसिंग प्लांट पर लेकर जाते हैं जहां सूखे कचरे से आठ अलग- अलग तरीके से कचरे को अलग किया जाता है। साथ ही साथ गीले कचरे से कंपोस्ट खाद बनाने का कार्य भी किया जाता है। इससे परिषद को एक लाख की अतिरिक्त आय हो रही है। स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से सूखे कचरे से प्लास्टिक, कांच, रबड़, कपड़े, लोहा एवं अन्य सामग्री को रिसायकल कर बिक्री के लिए भेजा जाता है।

द्वितीय श्रावण शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 76 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
29 अगस्त 2023
मंगलवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

दिल्ली पहुंचे सीएम शिवराज, अगले सप्ताह से और बढ़ेगी सियासी सरगर्मी

मप्र की सियासत में बजरंगबली की एंट्री, पीसीसी में सुंदरकांड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र की सियासत में भी चुनाव से कुछ दिन पहले बजरंगबली की एंट्री हो गई है, कुछ महीने पहले कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के दौरान भी भाजपा और कांग्रेस की सियासी जंग के बीच बजरंगबली आ गए थे। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक बयान को लेकर आज मप्र कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेता कार्यकर्ता सुंदरकांड व हनुमान चालीस का जाप करने बैठ गये हैं। वहीं मुख्यमंत्री आज सुबह दिल्ली रवाना हो गये, वे शाम को लौटेंगे। दरअसल, चौहान ने एक टीवी चैनल पर कहा है कि छिंदवाड़ा में हनुमान प्रतिमा का निर्माण-स्थापना कमलनाथ ने नहीं की थी, दूसरी तरफ कमलनाथ का कहना है कि सभी जानते हैं कि 2014 में मुझे भारत की सबसे ऊंची हनुमान प्रतिमा बनाने का सौभाग्य मिला। हाल में शिवराज सरकार ने छिंदवाड़ा में हनुमान लोक बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। गौरतलब है कि काफी दिन से कांग्रेस और भाजपा के बीच हिंदुत्व को लेकर भी

एक दौड़ नजर आ रही है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सद्बुद्धि की जरूरत कांग्रेस को है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने कहा कि छिंदवाड़ा के सिमरिया में कमलनाथ ने भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण 2014 में कराया था। मगर मुख्यमंत्री ने कह दिया कि मंदिर नाथ ने नहीं बनवाया था। मिश्रा के मुताबिक धर्मविमुख मुख्यमंत्री को धर्म की ओर अग्रसर करने और सद्बुद्धि देने सुंदरकांड किया जा रहा है। कांग्रेस ने मंदिर शिलान्यास करते नाथ की 10 वर्ष पुरानी तस्वीर भी जारी की। वहीं कमलनाथ ने आज कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज ने महिलाओं को 450 रूपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा तो कर दी लेकिन कहीं भी 450 रूपये में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। यह रक्षाबंधन पर छल है।

भाजपा 3 सितंबर से करेगी पलटवार

इधर भाजपा अब जनआर्शीवाद यात्रा की तैयारी में जुटी है,इसे कांग्रेस के प्रति आक्रामक बनाने के प्रयास हो रहे हैं। भाजपा के चुनाव प्रबंधन समिति के मुखिया नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि जनआशीर्वाद यात्रा में अपनी उपलब्धियां और कांग्रेस सरकार के घोटाले जनता के सामने रखेंगे। ज्ञात हो कि पहली यात्रा तीन सितंबर को विंध्य क्षेत्र के चित्रकूट से शुरू होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसे हरी झंडी दिखाएंगे। जबकि समापन भोपाल में 25 सितंबर को होगा, इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल हो सकते हैं। वहीं तोमर ने भाजपा की जीत के बाद मुख्यमंत्री के सवाल पर कहा है कि 'अब भी शिवराज सिंह मुख्यमंत्री हैं। इसके निर्णय का अधिकार संसदीय फोरम के पास है।' जब उनसे पूछा गया कि अभी तक चुनाव के पहले शिवराज यात्रा निकालते थे, अब संगठन निकाल रहा है? तो तोमर बोले- पार्टी में सामूहिक नेतृत्व है, पर श्रेष्ठता शिवराज की है, क्योंकि वह सीएम हैं। वह भी हर दिन यात्राओं में शामिल होंगे।

भाजपा के दिग्गज जुटेंगे, कांग्रेस प्रभारी भी डेरा डालेंगे

भाजपा अंचलवार पांच जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही है। पहली यात्रा तीन सितंबर को विंध्य क्षेत्र के चित्रकूट से, दूसरी महाकोशल क्षेत्र के मंडला से पांच सितंबर से होगी दोनों की शुरूआत अमित शाह ही करेंगे। फिर चार सितंबर से खंडवा (मालवा क्षेत्र) से तथा इसी दिन उज्जैन से होगी,दोनों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। पांचवीं और अंतिम यात्रा ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर से छह सितंबर को शुरू होगी, जिसे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे। यात्रा का समापन 25 सितंबर को भोपाल में कार्यकर्ता महाकुंभ के साथ होगा। इसमें 10 लाख लोगों के शामिल होने का लक्ष्य है। उधर कांग्रेस के नये प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेंवाला और चुनाव प्रभारी जितेंद्र सिंह दो सितंबर से भोपाल में तीन दिन डेरा डालेंगे। दोनों नेता यहां कई बैठकें लेंगे और विधानसभा क्षेत्र के संभावित दावेदारों से मिलेंगे। दोनों नेताओं का साथ दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस टिकटों की सूची को अंतिम रूप देने बैठेगी।

रक्षाबंधन का कन्फ्यूजन रात को ही बंधेगी राखी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रक्षाबंधन के सही समय को लेकर सब तरफ भ्रम की स्थिति हैं। हर साल श्रावण शुक्ल की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व पर इस साल भद्रा काल लगने वाला है, जिसके चलते यह स्थिति है। कोई 30 अगस्त तो कोई 31 अगस्त को राखी का त्योहार मनाने की बात कर रहा है। जानकारों के मुताबिक चूंकि रक्षाबंधन सावन शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाता है तथा यह पूर्णिमा तिथि 30 अगस्त को सुबह 10.59 बजे से होगी। इसका समापन गुरुवार, 31 अगस्त को सुबह 7.05 बजे होगा। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि रक्षाबंधन का त्योहार 30 और 31 अगस्त दोनों दिन मनाया जाएगा मगर बहनों को सिर्फ भद्रा काल को ध्यान में रखते हुए भाई को राखी बांधने का समय निकालना होगा। रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 30 अगस्त की रात 9 बजकर 2 मिनट से लेकर 31 अगस्त की सुबह 7 बजकर 5 मिनट तक रहेगा। भद्रा काल में भाई को राखी बांधना वर्जित माना गया है। इस बार 30 अगस्त को पूर्णिमा तिथि के साथ ही भद्रा काल आरंभ हो जाएगा, जो रात 9.02 बजे तक रहेगा।

खंगाले जा रहे हैं पुराने खसरे एफटीएल चैक कर रहे अफसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एनजीटी ने जब से भोपाल में केरवा व कलियसोत के किनारे अतिक्रमण को लेक रमुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस को तलब किया है, तभी से वह एक्शन में दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भोपाल जिले के सभी प्रमुख अधिकारियों को तलब किया, उनके साथ बैठकें की और रणनीति बनाने का प्रयास किया कि आखिरकार कलियासोत और केरवा डैम के कैचमेंट क्षेत्र में जिस अतिक्रमण का जिक्र किया जा रहा है, उससे कैसे निपटा जाए। अब आलम यह है कि एनजीटी के तय सीमा में कार्यवाही की बात के बाद नगर निगम 33 मीटर दायरे में अतिक्रमण को चिह्नित कर रहा है तो जल संसाधन विभाग एफटीएल क्षेत्र को देख रहा है। जिला प्रशासन डैम के खसरों को खंगाल रहा है। दरअसल, बीते शुक्रवार को सुनवाई में एनजीटी न्यायाधीश ने मुख्यसचिव से पूछा था कि केरवा और कलियासोत डैम के कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर अब तक क्या कार्रवाई की। तब मुख्य सचिव ने कहा था कि हमने एक नंवबर 2021 को सुनवाई के दौरान दी थी, वही जवाब है। बताते हैं कि इस बात से न्यायाधीश असहज हो गये थे और उन्होंने कड़ी टिप्पणियां की थीं। बताते हैं कि अब मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन,ननि व जलसंसाधन अफसरों से साफ कहा है कि अतिक्रमण को चिह्नित करें। इन्हें हटाने की कार्यवाही में तेजी लाएं।

एनजीटी की फटकार के बाद एक्शन में सीएस-महकमे

मामला केरवा, कलियासोत से अतिक्रमण हटाने का

राखी पर महिलाओं को तोहफा, सिटी बस में फ्री सफर

भोपाल। राजधानी में रक्षाबंधन पर महिलाओं को 'शहर सरकार' ने बड़ा तोहफा दिया है। 30 अगस्त, बुधवार को महिलाएं रेड यानी, सिटी बसों में पूरे दिन फ्री में सफर कर सकेंगी। वे कुल 368 बसों में कहीं भी बगैर रुपए दिए आना-जाना कर सकती हैं। भोपाल में भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड महिलाओं-युवतियों को फ्री में बस सेवा देगी। सुबह 6 से रात 9 बजे तक महिलाएं और युवतियां बसों में सफर कर सकेंगी। शहर के अलावा महिलाएं बसों से मंडीदीप, भोजपुर तक आना-जाना कर सकेंगी। महापौर मालती राय ने यह घोषणा की है। पिछले साल भी रक्षाबंधन पर यह सुविधा दी गई थी।

मणिपुर में हिंसा के 119 दिन, विस का सत्र आज

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर हिंसा चल रही है। 120 दिनों से जारी हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच राज्य सरकार की मांग पर आज विधानसभा का एक दिन का सेशन होगा।

सीएम एन बीरेन सिंह ने 21 अगस्त को राज्यपाल अनुसुइया उइके को सत्र शुरू करने की सिफारिश की थी। 22 अगस्त को राजभवन ने अधिसूचना जारी कर दी। संविधान के आर्टिकल 174 (1) के मुताबिक, किसी भी सदन में दो सत्रों में छह महीने से ज्यादा का गैप नहीं होना चाहिए। मणिपुर में पिछला सत्र मार्च में हुआ था।

सूचना

रक्षाबंधन पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में 30 अगस्त 2023 को अवकाश रहेगा

प्रियंका के लिए पांच सीटों पर नजर, राहुल लौटेंगे अमेठी !

नई दिल्ली/लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के लिये पांच सीटों पर होमवर्क शुरू किया गया है। वे वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी या प्रयागराज व फूलपुर से,इसे लेकर पार्टी के भीतर मंथन चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदेश नेतृत्व की पहली प्राथमिकता वाराणसी है। ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे चुनौती दी जा सके।

दूसरी तरफ राहुल गांधी के फिर अमेठी तो सोनिया गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। अभी तक कांग्रेस के अंदरखाने में यह कयास लगाए जा रहे थे कि सोनिया गांधी खराब स्वास्थ्य की वजह से चुनाव मैदान में नहीं उतरीं तो रायबरेली से प्रियंका गांधी मैदान में आ सकती हैं। इसी तरह अदालत के आदेश के चक्कर में अमेठी से राहुल गांधी के बजाय प्रियंका के मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही थी। लेकिन अब राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की तस्वीर साफ हो गई है। उनके अमेठी से चुनाव मैदान में उतरने की प्रबल संभावना है। दूसरी तरफ रायबरेली में स्थानीय कार्यकर्ता बूथवार तैयारी में जुट गए हैं। वे सोनिया गांधी के नाम पर प्रचार भी शुरू कर दिए हैं। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस की परंपरागत सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारने के संकेत दे दिए हैं। माना जा रहा है कि गांधी परिवार के सदस्यों का समाजवादी पार्टी दिल खोलकर समर्थन करेगी।

चिदंबरम संसद की स्थाई समिति में

नई दिल्ली। संसद की स्थायी समितियों का पुनर्गठन किया गया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आठ विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समितियां (डीआरएससी) बदली हैं। मंगलवार को कहा गया कि 31 सदस्यीय गृह पैनल में वरिष्ठ कांग्रेस राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम की नियुक्ति भी शामिल है। चिदंबरम को गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सदस्य के रूप में ऐसे समय में नियुक्त किया है, जब पैनल तीन प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा कर रहा है। यह भारतीय न्याय संहिता 2023, भारती नागरिक सुरक्षा सहिंता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं। जिनका उद्देश्य आपराधिक न्याय कानूनों को बदलना है। अधीर रंजन चौधरी पहले से ही भाजपा सांसद बृज लाल की अध्यक्षता वाले गृह पैनल के सदस्य हैं। इसके अलावा, सभापति ने कांग्रेस सांसद जयराम रमेश को विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया है। इस बीच, छह प्रमुख संसदीय समितियों (गृह, आईटी, रक्षा, विदेश, वित्त और स्वास्थ्य) के अध्यक्ष भाजपा या उसके सहयोगी हैं।

जातिगत जनगणना पर नया हलफनामा राज्य करा सकते हैं सर्वे

नई दिल्ली, एजेंसी।

बिहार समेत कुछ राज्यों में जातीय जनगणना का मामला सियासी तौर पर भी काफी सरगर्म है। इस बीच बिहार के रूख पर केंद्र सरकार ने नया हलफनामा दाखिल किया है। इसमें कहा है कि पैरा-5 अनजाने में शामिल हो गया था। दरअसल इस पैरा में ही था कि केंद्र सरकार ही जनगणना या जनगणना जैसी कोई भी कार्रवाई करने के लिए अधिकृत है। अब केंद्र सरकार ने नए हलफनामे में से पैरा-5 हटा लिया है। केंद्र ने कहा था कि जनगणना एक वैधानिक प्रक्रिया है और जनगणना अधिनियम 1948 के तहत शासित होती है। यह भी कहा गया है कि जनगणना का विषय सातवीं अनुसूची में संघ सूची प्रविष्टि 69 के तहत शामिल है। हालांकि इस नए हलफनामे में भी सरकार का कहना है सेंसस एक्ट,1948 के तहत भी सिर्फ केंद्र सरकार को समग्र जनगणना कराने का अधिकार है, लेकिन इस नए हलफनामे में 'जनगणना जैसी कोई अन्य प्रक्रिया' शब्द को हटा दिया गया है। कानून के जानकारों के मुताबिक, राज्य सरकार अपने यहां किसी भी तरह का सर्वेक्षण करा सकती है। किसी सर्वेक्षण या आंकड़े जुटाने के लिए कोई कमेटी या आयोग बना सकती है। इसी अधिकार के तहत तो उत्तराखंड ने यूसीसी के लिए कमेटी बनाई और सर्वेक्षण करा कर आंकड़े जुटाए। बिहार सरकार के हलफनामे में भी यह गौर करने लायक है कि वो जनगणना तो करा ही नहीं रही है, वो सिर्फ जातिगत सर्वे करा रही है।

मेट्रो एंकर देश के सबसे बड़े कोचिंग हब में संचालकों की लापरवाही से बिगड़ रहे हालात...

क्यों नाकाम हो रहा कोटा, स्प्रिंग से रूकेंगे सुसाइड?

कोटा, एजेंसी।

आईआईटी और नीट की तैयारी के लिए मशहूर राजस्थान के कोचिंग हब कोटा में खुदकुशी के लगातार मामलों ने सभी को हिला दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तक को कोचिंग क्लासेस संचालकों की क्लास लेनी पड़ी है, लेकिन कोचिंग की मनमानी और छात्रों पर उनका दबाव नहीं थम रहा है। इस वर्ष अब तक 23 छात्र जान दे चुके हैं। कोटा प्रशासन और कोचिंग संचालक खुदकुशी रोकने के तमाम दावे कर रहे हैं, लेकिन इसका कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है दो दिन पहले दो छात्रों की खुदकुशी के बाद अब सबसे ज्यादा चर्चा में है पंखों पर लगाई जाने वाली एंटी सुसाइड रॉड!

दरअसल अब काफी दिनों बाद एंटी-सुसाइड रॉड की चर्चा फिर कोटा के संदर्भ हो रही है। छह साल पहले जिला प्रशासन ने हॉस्टल असोसिएशन को पंखे में एंटी-सुसाइड रॉड लगाने के लिए कहा था। आलम यह है कि एंटी सुसाइड रॉड सिर्फ तब चर्चा में ही रही। एंटी-सुसाइड रॉड को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह सिर्फ पंखे के वेट को ही झेल पाएगी। अगर पंखे से अधिक वजन की किसी चीज का भार इस रॉड पर पड़ेगा तो एंटी-सुसाइड रॉड का स्प्रिंग फैल जाएगा और खुदकुशी करने वाले के पैर जमीन में टच हो जाएंगे। जून के महीने में कोटा पुलिस ने खुदकुशी के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्टूडेंट्स सेल बनाया था। स्टूडेंट्स सेल हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया था। लेकिन इसका कुछ खास आउटपुट देखने को नहीं मिला।

कोविड के बाद स्टूडेंट्स कमजोर!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोटा के एक कोचिंग संस्थान में पढ़ाने वाले एक शिक्षक का कहना है कि साल 2023 में जो स्टूडेंट्स यहां तैयारी के लिए पहुंचे हैं, उनमें से ज्यादातर स्टूडेंट्स का बेस काफी कमजोर है। क्योंकि इन बच्चों के पढ़ाई का कोविड के दौरान काफी नुकसान हुआ है। इनमें से ज्यादातर स्टूडेंट्स प्रमोट होकर आए हैं इनका बेस काफी कमजोर है। लिहाजा इस बार वे ज्यादा डिप्रेशन में हैं। वहीं, कोचिंग संस्थानों के टेस्ट का पैटर्न काफी हार्ड है। इसी वजह से स्टूडेंट्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। माना जाता है कि हॉस्टल में जो वॉर्डन रखे जाते हैं, वह अगर पढ़े-लिखे और संवेदनशील हों तो भी काफी हद तक खुदकुशी को रोकने का प्रयास किया जा सकता है। लेकिन हॉस्टल वाले मामूली वेतन पर किसी भी व्यक्ति को वॉर्डन नियुक्त कर लेते हैं।

हवा में आदेश

खास बात यह है कि सरकार की सख्ती के बाद करीब आठ महीने पहले कोटा जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि रविवार को न तो पढ़ाई होगी और न ही टेस्ट कोई होगा। संडे को फन के रूप में स्टूडेंट्स एंजॉय करें, इसकी पूरी व्यवस्था कोचिंग संस्थानों को करनी होगी लेकिन किसी कोचिंग संस्थान ने इसे नहीं माना। प्रशासन ने हर कोचिंग संस्थान में साइकोलॉजिस्ट काउंसलर नियुक्त करने और हेल्पलाइन नंबर जारी करने को भी कहा मगर मसला यह है कि यहां पढ़ने वाले छात्र काफी कम उम्र के होते हैं। वे समझ ही नहीं पाते कि उन्हें कोई मानसिक समस्या है।

मैडम पति मोबाइल नहीं छूने देता, मांगा तो घर से निकाल दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेडम पति मोबाइल नहीं छूने देता हैं। इसको लेकर घर में झगड़े होते हैं। जब इसका विरोध किया तो पति ने घर से निकाल दिया। मायका पक्ष आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है। ऐसे में अलग एक कमरा किराए से लेकर रह रही हूं। पति को समझाया जाए। यह गुहार महिला ने अपना घर टूटने से बचाने के लिए काउंसलर से लगाई है।

राजधानी के कटारा हिल्स क्षेत्र में रहने वाले एक दंपति के मामले में पति के मोबाइल नहीं छूने देने और पत्नी के अलग रहने की जिद तलाक की नौबत ले आई है। अब दंपति की काउंसलिंग की जा रही है, ताकि परिवार को टूटने से बचाया जा सके। दंपति के बीच करीब दो साल से झगड़ा चल रहा है। मामले में पत्नी का का कहना है कि पति उसके मोबाइल को हाथ नहीं लगाने देता है। जब भी मोबाइल छूने की कोशिश करो घर में विवाद शुरू हो जाता है। परिवार के अन्य सदस्य भी पति को पूरा सपोर्ट करते हैं। एक दिन विवाद बड़ा और पति ने घर से निकाल दिया। मायके पक्ष में आर्थिक रूप से कोई मदद नहीं कर पा रहा है, ऐसे में वह अलग एक कमरा किराए से लेकर रह रही है। हालांकि वह चाहती है कि पति भी उसके साथ आकर रहे, लेकिन पति तैयार नहीं है। वहीं मामले में पति का कहना है कि पत्नी शक करती है। वह संयुक्त परिवार में ही रहना चाहता है, लेकिन पत्नी को अलग ही रहना है। ऐसे में आए दिन घर में झगड़े होते हैं।

पति ने कहा- पत्नी छोड़े अपनी जिद, संयुक्त परिवार में रखूंगा साथ

करीब आठ साल पहले हुई थी शादी: दरअसल, राजधानी के जहांगीराबाद क्षेत्र में रहने वाले दंपति की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। पति जहां एक प्राइवेट नौकरी में कार्यरत हैं, वहीं पत्नी ग्रहणी है। दोनो करीब एक साल से अलग रह रहे हैं। मामले में पत्नी की ओर से भरण पोषण का केस लगाया गया है, वहीं पति तलाक की जिद किए बैठा है।

अब 30 की जगह 15 वर्ष में प्रोफेसर बन सकेंगे चिकित्सक

नाराज डॉक्टरों को मनाने सरकार ने की चुनावी घोषणा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चिकित्सकों की सभी मांगें मानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव सिर पर है और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार शाम गांधी मेडिकल कॉलेज में घोषणा कर दी है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के डॉक्टरों के लिए डायनामिक एश्योर्ड कैरियर प्रोग्राम (डीएसीपी) लागू किया जाएगा। यह भी कहा कि मेडिकल कालेजों के चिकित्सकों को 5, 10 और 15 वर्ष की अवधि पूर्ण करने पर प्रमोशन दिया जाएगा। अब तक यह प्रमोशन 8, 16 और 30 वर्ष में दिया जाता था। इसका फायदा यह होगा कि सहायक प्राध्यापक के पद पर भर्ती हुए डॉक्टर 15 वर्ष में प्राध्यापक बन जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि संविदा डॉक्टरों को नियमित जैसा लाभ और भत्ता दिया जाएगा। 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ व नए सिरे से एनपीए लागू करेंगे। निजी नर्सिंग होम को कई तरह के टैक्स से छूट, आबादी वाले हिस्से में निर्माण की अनुमति, पार्किंग की शर्तों में छूट और बिल्डिंग निर्माण के समय एफएआर में छूट दी जाएगी। गांधी मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री ने 700 करोड़ से अधिक के कामों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया है।

डाक्टरों की इन मांगों को माना

- प्रदेश के 15 हजार से ज्यादा डाक्टरों की प्रमोशन पालिसी को अपडेट किया जाएगा। पहले एक असिस्टेंट प्रोफेसर 20 साल की नौकरी के बाद प्रोफसर बनता था, अब यह लाभ 14 साल में मिलेगा।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के मेडिकल आफिसर, डेमोंस्ट्रेटर और ट्यूटर को 30 की जगह 15 साल में ही तृतीय वेतनमान का लाभ मिलेगा।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के चिकित्सकों को 2016 से सातवे वेतनमान का लाभ मिलेगा। अब तक उन्हे 2018 से से लाभ दिया गया था।
- प्रैक्टिस ना करने वाले चिकित्सकों को मिलने वाले नान प्रेक्टिसिंग अलाउंस को त्रुटिपूर्ण गणना कर नए सिरे से लागू किया जाएगा।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के असि. प्रोफेसर को सातवें वेतनमान का लाभ नहीं था, अब इन्हें भी यह लाभ मिलेगी।
- स्वास्थ्य विभाग और गैस राहत विभाग के साथ अन्य विभागों के संविदा चिकित्सकों को भी नियमित चिकित्सकों के समान लाभ और भत्ते दिए जाएंगे।

'भारत की आत्मा को समझना है तो संस्कृत को समझना होगा'

संस्कृत विद्यालयों के लिए सिंगल क्लिक से अंतरित किए 2.30 करोड़ रूपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन के सभा कक्ष से महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान से संबद्ध संस्कृत विद्यालयों के विद्यार्थियों और प्राचार्यों के खातों में 2 करोड़ 30 लाख रुपए की सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत का उत्थान राष्ट्र और भारतीय संस्कृति का उत्थान है। इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि जो उत्थान संस्कृत का होना था, वह बाहरी लोगों के शासन के कारण देश में नहीं हो सका। संस्कृत का अनादर हुआ। मुख्यमंत्री चैहान ने संस्कृत शिक्षकों और संस्कृत के विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यदि भारत की आत्मा को समझना है तो संस्कृत को समझना होगा। मैं भाग्यशाली हूं, जो मुझे संस्कृत के विकास और संवर्धन का अवसर मिला है। भारतीय साहित्य की विशेषताओं का रसास्वादन संस्कृत के माध्यम से ही लिया जा सकता है। इस अवसर पर महर्षि पतंजलि संस्थान के अध्यक्ष भरत बैरागी, योग आयोग के अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा और लोक शिक्षण आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

संस्कृत भवन पूरे देश में विशिष्ट- भरत बैरागी

महर्षि पतंजलि संस्थान के अध्यक्ष भरत बैरागी ने कहा कि भोपाल में प्रारंभ नवनिर्मित संस्कृत भवन पूरे देश में विशिष्ट है। अन्य राज्यों में संस्कृत भवन नहीं है। प्रदेश की संस्कृत पाठशालाएं वैभव को प्राप्त करेंगी। यहां आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाएं भी बेहतर हैं। संस्कृत के संवर्धन के लिए देश में अन्यत्र इतना कार्य कहीं नहीं हुआ।

राखी खरीदतीं बहनें

भोपाल। रक्षाबंधन पर सजा राखी का बाजार। न्यू मार्केट में बहने अपनी भाई के लिए राखी पसंद करती हुई। -फोटो निर्मल व्यास

लाइफ लाइन स्कूल में राखी सेलीब्रेशन का कार्यक्रम

हिरदाराम नगर। लाइफ लाइन स्कूल में लायन्स क्लब भोपाल मन्नत ने रक्षा बंधन का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को राखी बांधीं। उनको यही सीख दी गयी कि एक कक्षा में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को भाई-बहन के तरह रहना चाहिए। इस अवसर पर सीमा, यास्मीन, शशि शर्मा, किरण वाधवानी मौजूद थीं।

निःशुल्क राखियां को वितरण आज

बजरंग सेना समिति आज जरूतर मंद बहनों को निःशुल्क राखियों का वितरण करेगी। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी बताया कि बाल गणेश, बाल गोविंद, खाटूश्याम, बाल हनुमान एवं घर में हुई। राखियों का वितरण किया जाएगा। कोई भी बहन 7000587600, 9893134754, 7470822287 पर संपर्क कर राखी ले सकती हैं।

चन्द्रयान 3 में संतनगर के दीपक की भी सेवाएं

हिरदाराम नगर। चन्द्रयान 3 की कामयाबी में संतनगर के युवा दीपक आसुदानी का भी योगदान है। दीपक इसरो में वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। दीपक ने नवयुवक परिषद के संस्थापक आसूदो लच्छवाणी को व्हाटसअप पर अपनी खुशी जाहिर की है। दीपक ने बताया कि वे इसरो में वैज्ञानिक के पद पर लिक्विड प्रोक्यूलजन सिस्टम सेंटर में काम कर रहे हैं, जो चन्द्रयान 3 के सफल प्रेक्षण के लिए कार्यरत हैं। क्रायोजनिक इंजन टीम जो कि एल.वी.एम.- एम-4 लांच व्हीकल में दीपक की सेवाएं हैं। नवयुवक परिषद ने दीपक आसुदानी को बधाई दी है।

विमला देवी की आंखें सेवासदन को दान कीं

हिरदाराम नगर। बरखड़ी, भोपाल निवासी 80 वर्षीय श्रीमती विमला देवी लालवानी का निधन रविवार को हो गया था। दिवंगत प्राणी के पौत्र विक्की लालवानी ने अपनी दादी की आंखें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं, जो दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित की जाएंगी। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2023 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। ट्रस्टी एल.सी. जनियानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

1 से होगी उच्च पद प्रभार के लिए काउंसलिंग, तारीख में बदलाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूली शिक्षा विभाग की उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया लगातार विवादों में उलझी हुई है। अब लोक शिक्षण संचालनालय ने प्राचार्य हाई स्कूल से प्राचार्य उमावि एवं व्याख्याता से प्राचार्य हाई स्कूल के उच्च पद पर काउंसलिंग की तारीख में बदलाव किया है। इसको लेकर नए आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, अब प्राचार्य हाई स्कूल से प्राचार्य उमावि के उच्च पद प्रभार के लिए आज एवं व्याख्याता से प्राचार्य हाई स्कूल के उच्च पद पर प्रभार के लिए 1 सितंबर एवं 2 सितंबर को सुबह 10 बजे से काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। पूर्व इसके लिए 28, 29 एवं 31 अगस्त तारीख तय की गई थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वरिष्ठता के प्रभार की सूची जारी की गई है। कुछ शिक्षक संगठनों का कहना है कि इसमें जिन शिक्षकों के नाम वरिष्ठता सूची में 2100 से 2500 तक के क्रम में है, उन्हें वरिष्ठता का प्रभार देकर उनकी पदस्थापना भी कर दी गई है। जबकि 500 से 1000 के वरिष्ठता क्रम वाले अपने प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। शिक्षकों का आरोप है कि कनिष्ठों को उनके मनचाहे स्कूलों में पदस्थ कर दिया गया है, अब केवल ग्रामीण क्षेत्र या स्लम एरिया के स्कूल खाली बचे हैं। उनके लिए विभाग काउंसलिंग कराने के लिए कह रहा है।

मांस बेच रहे थे, 10 हजार का जुर्माना ठोंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नियम, कानूनों को ताक पर रखकर मांस का विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर निगम ने 10 हजार रुपये को जुर्माना ठोका है। ये दुकानदार बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर मांस का विक्रय कर रहे थे, इन्हें निगम की टीम पहले भी समझाइश दे चुकी थी लेकिन ये बात नहीं मान रहे थे, जिसके बाद

शहर में बिना अनुमति या अवैध रुप से मांस विक्रय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान शहर में अवैध मांस दुकानों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत सोमवार को जोन क्रमांक तीन व चार के स्वास्थ्य विभाग के अमले कार्रवाई की। नियमों का उल्लंघन करने वाले 29 मांस विक्रेताओं से 10 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूल किया। इधर कोलार के जोन क्रमांक 18 में खाली भूखंड पर गंदगी फैलाने के मामले में सर्वधर्म निवासी सिद्धांत जैन से पांच हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

मेट्रो एंकर | एलवीएस एज्युकेशन सोसायटी का सम्मान समारोह

गांधीनगर में मेधावी 147 बच्चों का हुआ सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी, गांधीनगर ने हाई स्कूल में जिला स्तर पर मैरिट में आई इशिका साहू को 11 हजार का चेक देकर सम्मानित किया। इसके साथ वार्षिक परीक्षा में अव्वल आए 147 छात्र-छात्राओं का भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा, जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी तथा संत हिरदाराम कॉलेज के डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

कार्यक्र की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई। अतिथियों का स्वागत एलवीएस एज्युकेशन सोसायटी के सचिव रमेश हिंगोरानी, योगेश हिंगोरानी, नीलेश हिंगोरानी, प्राचार्या जयश्री ममतानी, आरती कुलकर्णी एवं नवीन नामदेव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में दयारामानी ने कहा कि संतजी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलें एवं अपने मूल की जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने गांधीनगर के विकास का श्रेय विधायक रामेश्वर शर्मा को दिया। ज्ञानचंदानी ने कहा कि संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी ने विपरीत परिस्थियों में भी विद्यालय को चलाकर इस मुकाम पर पहुंचाया है।

विधायक शर्मा ने कहा कि यहां के शिक्षक अपने बच्चों की तरह छात्रों को शिक्षा देते है इसीलिए ऐसा उत्तम परिणाम आता है। उन्होंने कहा गांधीनगर भोपाल का सबसे सुंदर क्षेत्र बनेगा। उन्होंने कहा विद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि यहां के 52 बच्चों को सीएम ने लैपटॉप के लिए राशि दी है। विधायक शर्मा ने छात्राओं से रक्षा सूत्र बांधवाए।

कार्यक्रम का संचालन कोमल टहिलयानी, सिमरन वाधवानी और आभार रमेश हिंगोरानी ने किया।

श्रवण के अंतिम सोमवार हुए धार्मिक आयोजन

कांवड़ यात्रा निकली, मंदिरों में देर रात तक होता रहा अभिषेक

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

साल में पढ़ने वाले अति प्राचीन श्रवण माह को अति उत्तम माना गया है। जिसमें भगवान शंकर सभी की मनोकामनाएं पूर्ण होने एवम् मनवांछित फल पाने के लिए भगवान भूतनाथ की पूजा अर्चना जल अभिषेक कावड़ यात्रा भक्तों द्वारा बड़ी ही आस्था और विश्वास के साथ उनकी पूजन और आराधना में लगे रहते हैं।

विशेष कर इस इस वर्ष दो श्रवण के महीने पड़े जो भक्तों में उल्लास और उमंग के साथ मनाए गए। इसी के चलते मां नर्मदा के आंवली घाट से जल लेकर कावड़ यात्रा निकाली गई जो भेलाघाट के अति प्राचीन चतुर्मुखी शिव मंदिर पहुंचे वहां पर भगवान शंकर का मां नर्मदा जी के जल से अभिषेक किया गया तो वहीं दूसरी ओर नगर के अति प्राचीन शिव मंदिर जो मराठा कालीन समय का है इस छतरी मंदिर पर भी सोमवार के दिन देर रात तक भगवान शंकर का विधि विधान से अभिषेक किया कर महा आरती और प्रसाद का वितरण किया गया।

यूरिया खाद की कालाबाजारी में भ्रष्टाचार और भेदभाव के लग रहे आरोप

बड़े कर्मचारियों को बचाकर हम्माल पर की गई कार्रवाई

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बीते रोज लगभग 250 बोरी यूरिया की सिवनी मालवा के डीएमओ गोदाम से ब्लैकमेल करते हुए अवैध तरीके से दूसरे जिले बैतूल में ब्लैक में महंगे दामों पर बेचने के लिए लेजा जा रही थी। इस बात की जानकारी और शिकायत जिला स्तर के अधिकारियों को थी। अवैध यूरिया की खेप को पड़कर कार्रवाई कर भले ही अपनी पीठ थपथपाली हो लेकिन कृषि विभाग के अधिकारियों ने इस पूरी कालाबाजारी का ठीकरा एक हम्माल के ऊपर फोड़ दिया और उसके ऊपर केस दर्ज करवा दिया।

वही दूसरी ओर जवाबदार अधिकारी को बचा लिय इस पूरे मामले में सबसे पहली जवाबदारी डीएमओ के खाद गोदाम के अधिकारी की होती है जो पैसा जमा कर किसान को पर्ची देता है,वहीं पर्ची हम्माल के पास आती है और हम्मल द्वारा उस पर्ची को देखकर किसान को खाद देता है। लेकिन यहां पर ऐसा नहीं हुआ। कृषि विभाग के अधिकारियों ने माल गोदाम प्रभारी को सीधा-सीधा बचा लिया और हम्माल के ऊपर प्रकरण दर्ज करवा दीया। यह पूरा मामला एक बड़ी जांच का विषय है की किन अधिकारियों के कहने पर पिछले दो महीने से यूरिया खाद की कालाबाजारी हो रही थी क्या इस पूरी कार्रवाई में डीएमओ खाद अधिकारी की मिली भगत से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इसकी भी निष्पक्ष जांच होना चाहिए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो सके इस पूरे घटनाक्रम में धीरे-धीरे राजनीतिक संगठन भी अब सक्रिय होने का रुख कर रहे हैं।

बड़ों को बचाने निर्दोष को फंसाया , आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री व कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा। पिछले दिन हुई यूरिया की कालाबाजारी पर आम आदमी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन एसडीम अनिल जैन को दिया गया। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता सुनील गौर, जिला उपाध्यक्ष विनोद रघुवंशी, जिला सयुक्त सचिव जगदीश लोवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष भगवान जमादार , सुमेर लोवंशी, राम मोहन यदुवंशी, अरविंद चौहान, संतराम प्रजापति सहित किसान उपस्थित थे।आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि यूरिया की कालाबाजारी हो रही थी , मामले को दबाने के लिए वाहन चालकों एवं एक हम्माल को दोषी बनाकर मामले को रफा दफा करने की तैयारी की जा रही है। जबकि असली दोषी गोदाम संचालक एवं डीएमो मार्कफेड है परंतु अधिकारियों को बचाने के लिए हम्माल को फसाने का प्रयास किया जा रहा है जिसकी निष्पक्ष जांच होना चाहिए। दूसरा मामला आदिवासी से जुड़ा है जिसमें आदिवासियों को 1968 से आज तक जमीन के पट्टे एवं आवासीय पट्टे नहीं दिए गए। ताकू से विस्थापित आदिवासी गांव मातापुर के लोग 52 साल बाद भी कृषि भूमि पट्टे एवं आवासीय भूमि के पट्टे के लिए कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। परंतु आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिल रहा। विस्थापन के बाद आज तक मातापुरा गांव में पहुंचने के लिए सड़क भी नहीं उपलब्ध कराई गई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि हमेशा से चला आ रहा है बड़े अधिकारी और कर्मचारियों को बचाने के लिए निर्दोषों को फसाया गया है।

जन जागरूकता बाइक रैली निकाली

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और मतदान करने की दिलाई शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

वोटर अवेयरनेस फोरम, एसपीएम नर्मदापुरम द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एसपीएम कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों, शासकीय एसपीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एसपीएम कॉलोनी परिसर एवं सीआईएसएफ़ कॉलोनी के निवासियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु जागरूक करने के लिए वाहन रैली निकाली गयी।

कारख़ाना मुख्य महाप्रबंधक दुर्गेश पति तिवारी द्वारा मतदाता जागरूकता रैली को रवाना करने से पहले वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का संदेश दिया गया एवं 18 वर्ष पूर्ण कर चुके बच्चो तथा परिवार के अन्य सदस्यों का भी नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया। 30 सेकंड का विडियो संदेश भी जारी किया गया।

इसी क्रम में नलिन पटेल, सहायक नोडल अधिकारी वोटर अवेयरनेस फोरम, एसपीएम नर्मदापुरम द्वारा शासकीय एसपीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बच्चों तथा अध्यापको को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा भविष्य मे मतदान करने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 23, 24 के बीएलओ आर के बड्कुर द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या श्रीमति अनीता प्रमोद दुबे ने कार्यक्रम के संचालन में अपना अहम योगदान दिया। वोटर जागरूकता मंच के सदस्यों प्रमोद दुबे, नरेंद्र द्विवेदी, शिवनारायन चौरे, राजू मंडले, उपकार नांगल, मुकेश बंदरेले इत्यादि ने दोपहिये वाहन रैली को सफल बनाने में प्रमुख रूप से अपना सहयोग प्रदान किया।

नगर पालिका कर्मचारी सौंपे गए दायित्वों का निर्वाहन करें : सीएमओ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय द्वारा नगर पालिका के अमृता सभाकक्ष में नगर पालिका अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गये दायित्वों एवं नगर पालिका कार्य अंतर्गत हितग्राहियों द्वारा संस्थित

सी.एम.हेल्पलाईन, जनसुनवाई के शेष बचे प्रकरणों का शत् प्रतिशत निराकरण, शासन की पेंशन योजना से संबंधित ई.के.वाय.सी. से शेष रहे 3509 हितग्राहियों द्वारा एम.पी.ऑनलाईन से ई.के.वाय.सी. कराए जाने, ई.के.वाय.सी. एप्रूव, नगरीय क्षेत्र के प्रमुख चौक-चोराहों एवं मुख्य मार्गो पर विचरण करने वाले आवारा एवं पालतू मवेशीयों को कॉजी-हाउस, गौ-शाला में बंद किए जाने एवं नगरीय सीमा से बाहर छोड़े जाने तथा पालतू पशु मालिकों पर धारा 133 तथा 1000/- जुर्माने की कार्यवाही किए जाने, विकास यात्रा के दौरान् हुए भूमि पूजन उपरांत कार्यों कों आरंभ किया जाना, स्वच्छ भारत सर्वेक्षण अंतर्गत नगरीय क्षेत्र नर्मदापुरम् के प्रत्येक नागरिकों का शत् प्रतिशत् फीडवैक लिए जाने की कार्यवाही किए जाने के निर्देश संबंधित विभाग प्रमुखों को प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री के 450 रुपए में सिलेंडर को बताया झूठा

कांग्रेस ने मामा का लॉलीपॉप बताकर किया विरोध प्रदर्शन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की महिलाओं के लिए सावन माह मे 450 रूपए मे गैस सिलिंडर देने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद भी महिलाओ को 450 रूपए मे गैस का सिलिंडर नहीं दिया गया और आमजन को गैस एजेंसी पर गैस सिलिंडर 1127 रूपए मे मिला। इस मुद्दे को कांग्रेसियों ने भुनाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेसियों ने इस घोषणा को लॉलीपॉप बताकर सांकेतिक प्रदर्शन किया और बाजार क्षेत्र में जमकर नारेबाजी की। पूर्व नपाध्यक्ष नीलम गांधी, पूर्व नगराध्यक्ष पंकज राठौर, लखन बैस, संजय नगरिया, अनिल राठी, नीलेश मालोनिया, देवी मालवीय, यूनुस पठान, मोनी चंद्रवंशी, अमित कापरे, संजय ठाकुर, गुफरान अंसारी, दिलीप गोस्वामी, अर्जुन भोला, सर्बप्रीत भाटिया, पंकज पटेल, मनीष चौधरी, राहुल दुबे, दिनेश बलोरिया, अमल सरकार, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गोल्डी बैस उपस्थित थे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार झूठी घोषणाएं कर आमजन का वोट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। किसी भी महिला को 450 रूपए मे गैस सिलिंडर नहीं दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री का डर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सत्ता जाने के डर से मुख्यमंत्री झूठी घोषणाएं कर रहे हैं।

10 शिकायतों का हुआ त्वरित निराकरण

सीएम ऑफिस से मिली थीं, संतुष्टि पूर्ण समाधान पर दिया धन्यवाद

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में युवाओं, किसानों ,महिलाओं सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित करने के साथ ही उनके लाभ से कोई भी पात्र वंचित ना रहे यह भी सुनिश्चित किया है।

मुख्यमंत्री योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही प्रदेशवासियों की कठिनाइयों, समस्याओं को भी पूरी संवेदनशीलता से दूर करने में लगे हुए हैं। नागरिकों की समस्याओं को लेकर उनकी असाधारण संवेदनशीलता इस बात से ही स्पष्ट हो रही है कि नागरिकों की छोटी से छोटी शिकायतों को भी पूरी गंभीरता से लिया जा रहा हैं और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं अधिकारियों से उतनी ही संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ शिकायतों का समाधान करने की अपेक्षा भी करते हैं। नर्मदापुरम जिले के नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री शिव राज सिंह चौहान को जो समस्याएं, शिकायतें भेजी जाती हैं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन को प्रेषित कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए जाते हैं। 20 अगस्त से 24 अगस्त तक मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा नर्मदापुरम जिले की 10 शिकायतों को निराकरण के लिए भेजा गया। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा उतनी ही संवेदनशीलता गंभीरता के साथ तत्परतापूर्वक सभी 10 शिकायतों का त्वरित निराकरण कराया गया।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने अधिकारीयों को दिए निर्देश

नवमतदाताओं और महिलाओं के नाम न छूटें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों के चिन्हांकन और विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की गतिविधियों का विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सेक्टर अधिकारियों को निर्धारित वीएम फॉर्म के बिंदुओं पर संवेदनशील मतदान केंद्रों की मैपिंग पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सेक्टर अधिकारी और सेक्टर अधिकारी संयुक्त रूप से अपने मतदान केंद्रों का भ्रमण करें। इसी प्रकार क्रिटिकल मतदान केंद्रों की भी मैपिंग की जाए।

कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 28 अगस्त से लेकर 31 तक प्रत्येक मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत एवं नगरपालिका के अमला द्वारा घर घर जाकर छूटे हुए मतदाताओं के फॉर्म भराएं जाएं। सेक्टर अधिकारी भी फील्ड में रहकर नव मतदाताओं और महिलाओं के नाम जुड़वाए। सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्वाचन के प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को सीआरपीसी के निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप आपराधिक प्रकरणों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने आबकारी विभाग को अवैध शराब के विक्रय और परिवहन पर प्रभावी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश खनिज एव राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर सिंह ने बैठक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी नर्मदापुरम को निराश्रित मवेशियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मवेशियों को गोशालाओ में शिफ्ट कराएं। मवेशी मालिकों के खिलाफ भी नोटिस और जुर्माने की कार्यवाही करें।

दस्तक अभियान की भी समीक्षा कर कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित बच्चे, जन्मजात विकृतियां, हृदय रोग सहित अन्य रोग से पीड़ित बच्चों की जानकारी ली और उनके बेहतर उपचार प्रबंधन किए जाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। उन्होंने कहा कि दस्तक अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने विकास यात्रा और विकास पर्व के दौरान भूमि पूजन किए गए निर्माण कार्यों की स्थिति की जनपद एवं निकायवार समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने और अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की भी कलेक्टर ने तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को दिए। उन्होंने धारणाधिकार, सीमांकन, नामांतरण बटवारा के प्रकरणों का समय पर निराकरण के लिए निर्देशित किया।

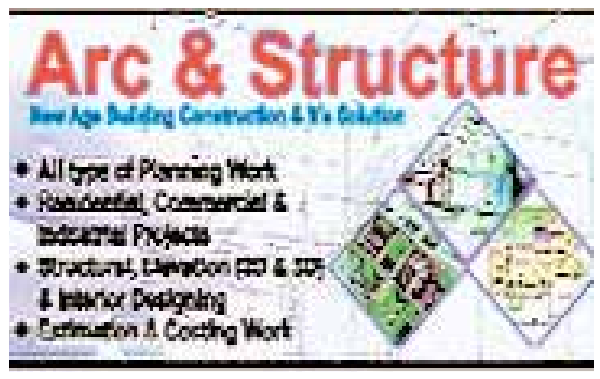

कांवड़ियों को विधायक ने किया दंडवत प्रणाम

देवपुर धाम तक निकली कांवड़ यात्रा, कई जगह पर स्वागत, पालकी बनी आकर्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सावन के अंतिम सोमवार को बाबा विश्वनाथ स्वामी का कावड़ के जल से जलाभिषेक करने के लिए नगर सहित दूर दराज के क्षेत्र से हजारों की संख्या में कावड़िया कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए सुबह से ही कृषि उपज मंडी के परिसर में कावड़ और वस्त्र लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी चिलचिलाती धूप में भी बाबा विश्वनाथ के धाम देवपुर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं में गजब का उत्साही देखने को मिला दोपहर में विधायक एवं समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने श्री नागेश्वर शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए आई माता बहनों जनता जनार्दन को मंच से दंडवत प्रणाम करते हुए कहा कि पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने जिस कावड़ यात्रा को 2011 में प्रारंभ किया था आज भी सभी के परिश्रम अथक प्रयास से उसी भक्ति भाव से विशाल निकल रही है।

कावड़ियों का विशाल दृश्य देखकर विधायक भावुक और बोले ऐसा लगता है कि वह आज भी वहां हमारे बीच में है उनके प्रेरणा से ही सारे काम हो रहे हैं। जनता मेरे लिए और लक्ष्मीकांत के लिए भगवान थी और आज भी है। शिवजी की भक्ति में लेने का झूमते नाचते हुए दिखाएं। वही देवपुर में आयोजित कार्यक्रम संबोधित करते हुए कहा कि यहां की महिमा तो अपरंपार है यहां का प्राचीन इतिहास है बाबा विश्वनाथ की कृपा से सबके काम सफल होते हैं। तीर्थ स्थल का विकास सबसे ज्यादा किसी ने कराया तो वह स्वर्ग की लक्ष्मीकांत शर्मा , उमाकांत शर्मा के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कराया है यहां की महिमा अपरंपार है , विश्वनाथ स्वामी 64 गुरुओं के गुरु है। आज उनकी कृपा से ही सारे असंभव काम भी संभव हो जाते हैं क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना भी उनके द्वारा भगवान विश्वनाथ स्वामी का जलाभिषेक तथा विधियों से पूजा सिंह के बाद की गई उन्होंने कई निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण किया। दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुई कावड़ यात्रा शहर के हाजीपुर से होते हुए नगर पालिका ,पुरानी बस स्टैंड ,कोर्ट गेट, चांदनी चौक, कठली बाजार ,कस्टम पथ, छतरी नाका, रोहिल पुरा से होते हुए तीर्थ स्थल देवपुर धाम पहुंची जहां पर सभी ने अपनी कावड़ों में जल लेकर पहुंचे उसे भगवान विश्वनाथ स्वामी का जल अभिषेक किया इस अवसर पर सबसे अच्छी कावड़ लाने वाले तीन प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किया इसके बाद खिचड़ी की प्रसादी का वितरण भी परंपरा के अनुसार यहां पर किया गया चारों तरफकबाडिया ही नजर आ रहे थे।

जगह-जगह हुआ स्वागत

विशाल कावड़ यात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर समाज जनों समाजसेवी संगठनों के द्वारा अपने-अपने तरीके से किया कहीं पर फूल बरसा कर तो कहीं पर खिचड़ी फल तो कहीं पर खीर तो कहीं पर शीतल पर पिलाने का काम भी किया गया पूरी शहर की सड़के फूल से शराबोर और हो गई समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा का भी जगह-जगहस्वागत किया गया।

पालकी रही आकर्षण का केंद्र

उज्जैन के महाकाल बाबा के मुखौटा के रूप में पालकी भी सजाई गई थी आकर्षक तरीके से सिंगार किया गया था इसके बाद श्रद्धालु गण उसको अपने कंधों पर धारण करके चल रहे थे। जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र थी पूजा अर्चना उपयोग किया जाता था उसे कावड़ को भी मंच पर रखा गया था इस कावड़ को भी पूरे आकर्षित तरीके से सजाया गया था सभी को लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में वह नजर आ रहे थे।

भगवामय हुआ शहर

डीजे की धुन पर बज रहे बाबा विश्वनाथ स्वामी के भजन और 51 झंडो तथा घुड़सवारों के द्वारा कावड़ यात्रा की अगवानी की जा रही थी डीजे के धुन पर बज रहे भजनों पर युवा झूमती नाचते चल रहे थे। पूरा नगर शिव की भक्ति में लीन दिखाई दे रहा था । सावन का आखिरी सोमवार होने के कारण हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ स्वामी के देवपुर धाम पहुंचकर पवित्र पवित्र कुंड के जल से स्नान करके जलाभिषेक ब पूजा अर्चना की वही यहां पर आयोजित मेले में भी खरीदारी करने के लिए भीड़ लगी रही भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं को एक रास्ते से प्रवेश देकर दूसरे रास्ते से बाहर निकल जा रहा था । भक्त

बाद स्वागत करने के लिए लोग उतारू नजर आए।

लक्ष्मीकांत की तस्वीर भी

कावड़ यात्रा की नींव रखने वाले स्वर्ग की लक्ष्मीकांत शर्मा की एक रथ पर बड़ी तस्वीर रखी गई थी साथ ही उनके द्वारा जिसका कावड़ का बाबा की भक्ति में लीन होकर घंटे कतार में खड़े रहे नंबर आने पर दर्शन करने के लिए खड़े रहे चारों तरफबम भोले के जयकारे गूंज रहे थे। इसके अलावा नगर के शिव मंदिरों में भी पूजा अर्चना करने के लिए भीड़ लगी रही।

मांगें पूरी न होने पर पटवारी गए कलमबंद हड़ताल पर

तहसीलदार को दिया ज्ञापन, काम ठप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पटवारी के द्वारा लगातार अपनी मांगों के संबंध में विभिन्न ज्ञापन प्रदर्शन से लेकर तिरंगा यात्रा भी प्रदेश स्तर पर आयोजित करके अपनी मांगों के लेकर कर चुके हैं । फिर भी सरकार के द्वारा इनकी मांगों को पूर्ण नहीं किया जा रहा है । अब पटवारी कलम बंद हड़ताल पर चले गए हैं। इसकी वजह से राजस्व विभाग कम पूरी तरह से ठप्प हो जाएगा। पटवारी संघ के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि हम लोग अपनी मांगों को चरणबाद तरीके से पूर्ण करवाने के लिए मांग करते आ रहे हैं । प्रदर्शन से लेकर हम लोगों ने तिरंगा यात्रा भी निकली ज्ञापन भी दे चुके सरकार ने हमारी मांगों को पूर्ण नहीं किया इसलिए अब हम लोगों को मजबूरी में कलम बंद हड़ताल पर जाना पड़ । इसके संबंध में ज्ञापन देकर तहसीलदार को भी अबगत कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पटवारी शामिल रहे।

सांची सोलर सिटी कम करेगी लगभग 1400 टन कार्बन उत्सर्जन

रायसेन । सम्राट अशोक द्वारा बनवाये गये प्रथम स्तूप से देश-विदेश में विख्यात भोपाल से 46 किलोमीटर दूर स्थित साँची शहर ने अब सौर ऊर्जा निर्माण में भी अपनी नई पहचान बनानी शुरू कर दी है। देश की पहली सोलर सिटी साँची में ग्रिड कनेक्टेड संयंत्र, रूफटॉप, सोलर घरेलू उपकरण, सौर संचालित सार्वजनिक सुविधाओं के संयंत्रों और ई-मोबिलिटी से सालाना 13 हजार 747 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आयेगी। साँची में 8 मेगावॉट के ग्रिड कनेक्टेड संयंत्र स्थापित किये गये हैं। इनसे अनुमानित ऊर्जा उत्पादन 147.2 लाख यूनिट है। साल में इससे 6 करोड़ 3 लाख रूपये की बचत के साथ 12 हजार 656 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आयेगी। शहर के भवनों पर 235 किलोवॉट के रूफटॉप सिस्टम स्थापित किये गये हैं, जिनसे 5 लाख यूनिट से अधिक ऊर्जा उत्पादन होगा और सालाना 22 लाख 65 हजार रूपये और 438 टन कार्बन उत्सर्जन की बचत होगी। घरेलू उपकरण- सोलर स्टडी लेम्प, लालटेन, स्टेण्ड-लेम्प से 11 टन, ऊर्जा दक्ष उपकरण जैसे- एलईडी बल्ब, ट्यूबलाइट और बीएलडीसी सीलिंग फेन से 452 टन, सार्वजनिक सुविधाओं के लिये स्थापित किये गये 54.45 किलोवॉट के सौर संयंत्रों से 171 टन और ई-मोबिलिटी से 19 टन कार्बन की कमी होगी। यह कमी पर्यावरण संरक्षण व स्वास्थ्य के लिये भी हितकर होगी। इन सबसे लगभग 160 लाख यूनिट ऊर्जा के साथ 7 करोड़ 18 लाख रूपये की बचत होगी।

कांग्रेस के मंडलम-सेक्टर बैठक में हर वोट पर नजर रखने के सिखाए गए गुर

विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से कांग्रेस सरकार बन रही है : कटारे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के बी.एल.ए मंडलम,सेक्टर अध्यक्ष के प्रशिक्षण का आयोजन कांग्रेस कमेटी द्वारा एक निजी गार्डन में किया गया। जहां पंजीयन कर कार्यकर्ताओ को पहचान पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेष कटारे,जिला प्रभारी अमित शर्मा,सहप्रभारी देवदत्त सोनी,संगठन मंत्री मोहित रघुवंषी,म.प्र. कांग्रेस प्रशिक्षण विभाग के उपाध्यक्ष डॉ. संजय कामले, ललित सेन,अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अंसार मंसूरी ने बी.एल.ए. मंडलम, सेक्टर अध्यक्षगण को प्रशिक्षित करते हुए मतदाता सूची पुनर्रीक्षण कार्यक्रम, भाजपा सरकार द्वारा वोटर लिस्ट में की जा रही गडबहियों, 80 वर्ष से अधिक आयु के वोटरो एवं विकलांग मतदाता,सर्विस वोटरो की वारीकियो से अवगत करवाया।

शुभारंभ गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलन से हुआ। जिला संगठन मंत्री मोहित रघुवंशी ने समूहिक राष्ट्गीत का गान कराया। तो वही ब्लॉक एंव नगर कांग्रेस अध्यक्षगण सुरेष यादव,इरषाद गौरी ने अतिथियो का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेष कटारे ने सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के लिए हमारा बूथ करेंगे मजबूत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक बूथ में दस कार्य पूरे करना हैं। जिलाध्यक्ष कटारे ने कहा कि अगले 100 दिन महत्वपूर्ण है। अगर कार्यकर्ता हमारा बूथ करेंगे मजबूत कार्यक्रम के सभी बिंदुओ को समय सीमा में पूर्ण कर लेते है तो उस बूथ पर जीत सुनिश्चित है।

मेट्रो एंकर सेल्समैन पर ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्ट्राचार के आरोप

हरगनाखेड़ी में गेहूं और चावल की कालाबाजारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो ।

ग्राम झागर के एक दर्जन से अधिक ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुँचे और उन्हे सेल्समेन की षिकायत अनुविभागीय अधिकारी से आवेदन देकर की है। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम झागर के ग्रामवासी है हमारे यहां सेल्समेन गोपी कुषवाह है इनके द्धारा गेंहू चावल में बहुत भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

सेल्समेन समय पर सामान नही बांटते है ग्राम झागर के किसी भी व्यक्ति को पिछले 2 महीनों से राषन नही बांटा गया है । ग्राम झागर के लोग दोपहर 2 बजे राषन लेने पहुँचे तों सेल्समेन बोलने लगे की तुम्हे 1 महीने का ही राषन दूंगा जबकि हमे पिछले दो महीने से राषन नही दिया गया है । एवं ग्राम झागर के ग्रामवासियों को धमकी देने लगा कि एक महीने का राषन लेना होतों ले लों नही तों 1 महीने का भी राषन नही दूंगा एवं समस्त झागर के ग्रामवासियों को गंदी गंदी गालिया देने लगा और गांव मे जाकर हमे मारने के लिए गुंडे लेकर आ गया और उनसे ही हमे गालिया दिलवाने लगा और हमे जान से मारने की धमकी देने लगे । ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि सेल्समेन राषन को बेचकर ष्षराब पीता है एवं गुंडो को पिलाता है हम पिछले एक महीने से राषन बांटने का बोल रहे है लेकिन पिछले एक महीने से राषन की दुकान नही खोली है व सेल्समेन कभी भी समय पर राषन की दुकान नही खोलते है । ग्रामीणों ने प्रषासन से मांग की है कि सेल्समेन को हटाकर दूसरे सेल्समेन को रखा जाए जिससे योजनाओं का लाभ मिल सके । इस दौरान नीलम सिंह राहुल हर्ष लोधी राधे षिवराज अचन सिंह रोहित नीतेष गुजवन केवट रामकृष्ण मंगल सिंह रामदास अजय सिंह जगदीष जगत सिंह आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

इनका कहना है -

ग्राम झागर के ग्रामीणों ने एक षिकायती आवेदन अनुविभागीय अधिकारी के नाम दिया है आवेदन में सेल्समेन की मनमर्जी की षिकायत की है एक भ्रष्टाचार के आरोप लगाऐं है हम जांच करके कार्यवाही करेगे ।

- अंसार अली नकवी, खाद्य अधिकारी, सरोंज जिला विदिषा

नीरज के गोल्ड जीतने पर पिता बोले- देश की उम्मीदों पर सोना-सा खरा उतरा बेटा

पानीपत, एजेंसी

हरियाणा के पानीपत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की जीत से उनके घर-गांव में जश्न का माहौल है। 88.17 मीटर भाला फेंक वह विश्व विजेता बने तो उनके गांव खंडरा में लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। नीरज के चाचा भीम चोपड़ा व पिता सतीश चोपड़ा ने गले लगकर एक दूसरे को बधाई दी। दोनों ने एक सुर में कहा कि पिता बोले- देश की उम्मीदों पर सोना सा खरा उतरा नीरज विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गोल्ड जीतने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। वर्ल्ड रैंकिंग में भी उनका स्थान पहले नंबर पर ही बना रहेगा। पिछले 3 महीने से नीरज चोपड़ा पहले पायदान पर हैं। नीरज फाइनल मुकाबले के पहले प्रयास में असफल रहे थे। वे फाउल हो गए, लेकिन दूसरे राउंड में 88.17 मीटर पर थ्रो किया और ग्रुप में सबसे ऊपर आ गए। इस पर ग्रामीणों व परिवार वालों ने भारत माता की जय के नारे व सीटी बजा खुशी मनाई।

मां ने कहा था- बेटा इस बार फिर स्वर्ण जीतेगा

हंगरी के बुडापोस्ट में आयोजित हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज के लिए पहले से ही प्रार्थनाओं और दुआओं का दौर शुरू हो गया था। पिता सतीश कुमार ने कहा कि पूरे देश की दुआएं व प्रार्थना नीरज के साथ हैं। उन्होंने नीरज के मैच को लेकर किसी तरह की बड़ी पूजा या अनुष्ठान नहीं किया है। वह भी देश का हिस्सा हैं। मां सरोज देवी ने कहा था कि बेटा इस बार फिर से स्वर्ण जीतेगा, उन्हें इसका पूरा यकीन है। जिस पर नीरज चोपड़ा खरे उतरे। चाचा भीम चोपड़ा ने मैच जीतने से पहले कहा था कि क्वालीफाइंग राउंड के थ्रो से उम्मीद है कि नीरज इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड तोड़ने की पूरी तैयारी में है। मैच जीतने पर नीरज के चाचा ने कहा कि यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। नीरज ने सभी की उम्मीदों को पूरा किया है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, लेकिन इस खिताब को जीतने के बाद नीरज चोपड़ा ने तिरंगे पर ऑटोग्राफ ना देकर करोड़ों भारतीय फैंस का दिल जीत लिया।

नीरज ने पाकिस्तान के एथलीट के साथ खिंचवा कर बटोरी खूब सुर्खियां

इसके अलावा नीरज ने पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम के साथ भी फोटो खिंचवाकर खूब सुर्खियां बटोरी। दरअसल, नीरज चोपड़ा तिरंगे के साथ चेक गणराज्य के एथलीट याकूब वालेश के साथ फोटो क्लिक करवा रहे थे। दोनों एथलीट के पास अपने-अपने देश का झंडा था। तभी नीरज की नजरें अरशद पर गईं और उन्हें फोटो क्लिक कराने के लिए बुलाया।

चीन के होंगझू शहर में खेले जाएंगे सभी मैच

एशियन गेम्स: इस बार विमेंस में 14, मेंस में 18 टीमें शामिल होंगी

नईदिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय बल्लेबाज और नेशनल क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में टीम इंडिया के हेड कोच बनाए गए हैं, वहीं पूर्व ऑलराउंडर ऋषिकेश कानिटकर को महिला टीम का चीफ कोच बनाया गया है। एशियन गेम्स के लिए भारतीय मेंस टीम के सपोर्ट स्टाफ में लक्ष्मण के अलावा बतौर गेंदबाजी कोच पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतुले और फील्डिंग कोच मुनीश बाली सेवाएं देंगे। विमेंस टीम में कानितकर के साथ राजीब दत्ता बॉलिंग कोच और सुभादीप घोष फील्डिंग कोच होंगे। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के होंगझू शहर में होने वाले हैं। क्रिकेट के सभी मैच झीजांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड के मैदान पर खेले जाएंगे।

होंगझू शहर में होंगे एशियन गेम्स

पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम हिस्सा लेगी

भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रही है। बीसीसीआई ने मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी की टीमों में खिलाड़ियों के नाम जारी कर दिए हैं। दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में अपना पहला मैच क्वार्टर फाइनल के रूप में खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल के बाद सेमीफाइनल होगा। इस तरह फाइनल तक पहुंचने के लिए दोनों ही टीमों को 2 लगातार मैच जीतने होंगे। एशियन ओलिंपिक कमेटी के नियमों के अनुसार, विमेंस-मेंस दोनों कैटेगरी में आईसीसी रैंकिंग में एशिया की टॉप-4 टीमों को सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री दी जाएगी। भारत की दोनों ही टीमें इस वक्त एशिया में टॉप पर हैं। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के होंगझू शहर में होंगे। क्रिकेट के सभी मैच झीजांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड के मैदान पर खेले जाएंगे। विमेंस कैटेगरी में 14 टीमें और मेंस में 18 टीमें पार्टिसिपेट करेंगी। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और एक दिन में 2 मैच होंगे। पहला मैच सुबह 9.30 और दूसरा दोपहर 2.30 बजे से होगा। एशियन गेम्स में पार्टिसिपेट करने के लिए मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी की टीमें जारी कर दी हैं। ऋतुराज गायकवाड मेंस टीम के कप्तान रहेंगे। वहीं विमेंस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर रखी अपनी राय

मुझे खुद को बदलने की जरूरत नहीं- रोहित

मुंबई, एजेंसी

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को ले कर रोहित बोले कि, मुझे नहीं लगता कि एक रिजल्ट या एक चैंपियनशिप मुझे एक व्यक्ति के रूप में बदल सकती है। मैं पिछले 16 सालों में एक व्यक्ति के रूप में नहीं बदला हूं और मुझे नहीं लगता कि उस मोर्चे पर कुछ भी बदलने की जरूरत है। मेरा और मेरी टीम का ध्यान इस बात पर होगा कि हम अगले दो महीनों में अपने टारगेट

को कैसे हासिल कर सकते हैं। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं खुद को कैसे टेंशन फ्री रखता हूं। वर्ल्ड कप तक मैं क्रिकेट के अलावा बाहरी दुनिया से जुड़ी चीजों से दूर चाहता हूं। मैं उस फेज और मूड में जाना चाहता हूं जिसमें मैं 2019 वर्ल्ड कप से पहले था। रोहित ने कहा- 2019 वर्ल्ड कप के दौरान मैं अच्छी मानसिक स्थिति में था और टूर्नामेंट के लिए मैंने वास्तव में अच्छी तैयारी की थी। वनडे वर्ल्ड कप 2019 में रोहित ने 5 शतक लगाए थे और टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर थे। रोहित ने आगे कहा कि, 2019 वाले फेज में आने के लिए अभी मेरे पास समय है। मैं यह याद करने की कोशिश कर रहा हूं कि एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में 2019 वर्ल्ड कप से पहले मैं क्या सही चीजें कर रहा था।

मेट्रो बाजार

अब रिलायंस बिना वायर के फास्ट ब्रॉडबैंड लॉन्च करेगा

मुंबई, एजेंसी

रिलायंस 19 सितंबर यानी गणेश चतुर्थी पर 'जियो एयर फाइबर' लॉन्च करेगा। यानी बिना वायर के फास्ट ब्रॉडबैंड मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की 46वीं एनुअल जनरल मीटिंग में ये ऐलान किया। जियो एयरफाइबर एक दिन में 150,000 कनेक्शन प्रोवाइड कर सकता है। ये फिजिकल फाइबर के जरिए ब्रॉडबैंड कनेक्शन देने की तुलना में दस गुना तेज है। वहीं अंबानी ने एआई से जुड़ा ऐलान भी किया। उन्होंने कहा कि एआई हर जगह हर किसी के लिए होगा। मुकेश अंबानी ने ये भी बताया कि जियो ने पिछले साल 1,19,791 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। वहीं अब जियो के 45 करोड़ से ज्यादा यूजर हो गए हैं। एक जियो यूजर एक महीने में औसतन (ऐवरेज डेटा कंजम्पशन) 25 जीबी डेटा यूज कर रहा है यानी हर महीने 1,100 करोड़ जीबी टोटल डेटा इस्तेमाल हो रहा है। 96 फीसदी से ज्यादा शहरों में जियो 5 फीसदी रोलआउट किया। दिसंबर 2023 तक देश के सभी शहरों में हो जाएगा। जियो ने दुनिया का सबसे तेज 5 जी रोलआउट किया है। पिछले साल 2.6 लाख रोजगार पैदा किए हैं। मुकेश अंबानी ने कहा कि पिछले साल हमारी सभी कंपनियों ने 2.6 लाख रोजगार पैदा कर नए रिकॉर्ड बनाए। हमारे ऑन-रोल कर्मचारियों की कुल संख्या लगभग 3.9 लाख है। उम्मीद की जा रही है की अंबानी इस मीटिंग में हाल ही में लिस्ट हुई कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़े बड़े ऐलान सकते हैं। इसके अलावा रिटेल और टेलिकॉम कारोबार के आईपीएओ की तारीख का ऐलान हो सकता है। चार साल पहले रिलायंस ने कहा था कि वह अगले 5 वर्षों में टेलिकॉम और रिटेल कारोबार को लिस्ट करेगी।

बेहतरीन वीवो वी29ई स्मार्टफोन भारत में हुआ लॉन्च

नईदिल्ली। चाइनीज टेक कंपनी वीवो ने नया 5 जी स्मार्टफोन वीवो वी29ई लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने फोन को दो वैरिएंट में पेश किया है, जिसके 8 जीबी रैम +128 जीबी स्टोरेज वाले वैरिएंट की कीमत 26,999 और 8 जीबी रैम + 256 जीबी स्टोरेज वाले वैरिएंट की कीमत 28,999 रखी है। लॉन्चिंग के साथ ही फोन प्री-ऑर्डर के लिए अवेलेबल हो गया है। बायर्स कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट और ऑफलाइन स्टोर के जरिए प्री-ऑर्डर कर सकते हैं। वीवो में 120 रिफ्रेश रेट के साथ 6.78 इंच की 58.7 डिग्री कर्व डिस्प्ले दी गई है। कंपनी ने दावा किया है कि यह सेगमेंट स्लिमेस्ट कर्व डिस्प्ले है। लॉन्च ऑफर के तहत कंपनी वीवो में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड होल्डर्स को 2500 का इंस्टेंट डिस्काउंट दे रही है। इसके साथ ही कोई भी पुराना फोन एक्सचेंज करने पर 2000 का एडिशनल एक्सेंज बोनस मिलेगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में 6 नैनो मीटर पर बना क्वालकॉम ऑक्टा कोर प्रोसेसर दिया है। फोन में एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड फनटच ऑपरेटिंग सिस्टम मिलेगा।

क्रिकेट में स्लो ओवर रेट की वजह से अंपायर ने खिलाड़ी को दिखाया रेड कार्ड

पोलार्ड ने कहा- 30-45 सेकेंड के लिए भी पनिश कर रहे हैं तो यह बिल्कुल हास्यास्पद

डेवर्सद, एजेंसी

क्रिकेट में स्लो ओवर रेट की वजह से पहली बार रेड कार्ड दिखाया गया। यह कार्ड कैरेबियन प्रीमियर टी-20 लीग में आया। दरअसल, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के बीच मुकाबला था। पहले फील्डिंग कर रही राइडर्स टीम को रेड कार्ड मिला। राइडर्स ने आखिरी तीन ओवर्स में स्लो बॉलिंग की थी और टीम जरूरी ओवर रेट से पीछे थी। इस वजह से अंपायर ने टीम को 19वें ओवर के बाद रेड कार्ड दिखाया। राइडर्स के कप्तान पोलार्ड ने

स्पिनर सुनील नरेन को आखिरी ओवर में मैदान से बाहर भेज दिया। तब नरेन अपने 4 ओवर पूरे कर चुके थे। आखिरी ओवर में टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही फील्डिंग की। वहीं नाइट राइडर्स के कप्तान पोलार्ड ने मैच के बाद रेड कार्ड रूल को 'बिल्कुल हास्यास्पद' कहा। पोलार्ड ने अपने सीमित फील्डिंग ऑप्शन्स को बदलते हुए नरेन को मैदान छोड़ने के लिए कहा, जिन्होंने अपना चार ओवर का स्पैल 24 रन देकर 3 विकेट लेकर पूरा कर लिया था। पोलार्ड ने कहा कि ईमानदारी से कहूं, तो इससे हर किसी की मेहनत खत्म हो जाएगी। हम प्यादों की तरह हैं और हम वही करेंगे जो हमसे कहा जाएगा। हम जितनी तेजी से खेल सकते हैं खेलेंगे। अगर आपको इस तरह के टूर्नामेंट में 30-45 सेकेंड के लिए पनिश किया जाता है, तो यह बिल्कुल हास्यास्पद है।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाएंगे रोजर बिन्नी और राजीव शुक्ला

नईदिल्ली, एजेंसी

एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, बिन्नी और राजीव शुक्ला श्रीलंका के पल्लेकेले में 2 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच में मौजूद रहेंगे। श्रीलंका से लौटने के एक या दो दिन बाद बिन्नी के साथ बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर जाएंगे। वे 4 से 7 सितंबर तक लाहौर में रहेंगे।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

कॉलेज में परेश रावल सीनियर तो आमिर जूनियर थे: दीपक तिजोरी

नब्बे के दशक की बॉलीवुड फिल्मों 'आशिकी', 'खिलाड़ी', 'जो जीता वही सिकंदर', 'सड़क' या 'कभी हां कभी ना', जैसी सभी फिल्मों में आपने बॉलीवुड एक्टर दीपक तिजोरी को तो देखा ही होगा। इन फिल्मों में भले ही वे हीरो के रोल में नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी एक्टिंग से फिल्मों के हीरो को बराबर की टक्कर दी थी। कम ही फैंस यह बात जानते होंगे कि दीपक तिजोरी मूल रूप से गुजराती हैं। कॉलेज लाइफ के बारे में बात करते हुए दीपक कहते हैं, कॉलेज में परेश रावल, फिरोज खान अब्बास मेरे सीनियर थे और आमिर खान, शरमन जोशी मेरे जूनियर थे। आशुतोष गोवारिकर मेरे बगल वाले कॉलेज में पढ़ते थे। कॉलेज के दौरान हम सभी ने एमेच्योर थिएटर में एक साथ काम भी किया। दीपक तिजोरी का 62वां जन्मदिन है। दीपक तिजोरी के पिता गुजराती वैष्णव थे जबकि उनकी मां पारसी ईरानी थीं।

मां से पारसी सीखी

दीपक दिलचस्प तरीके से कहते हैं, मैं गुजराती माहौल में बड़ा हुआ हूं। मेरे दादाजी के सात बेटे-बेटियां थे। इस तरह मैं उन सभी के परिवारों के साथ इतने बड़े परिवार में रहा हूं। बचपन में मेरी मां ने मुझे पारसी तो परिवार से मैंने गुजराती भाषा सीखी। अपने परिवार के बारे में दीपक तिजोरी कहते हैं, परिवार में कोई भी एक्टिंग की फील्ड में नहीं था, लेकिन मां को एक्टिंग का शौक था। शादी से पहले मां फिल्मों में काम करना चाहती थीं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि मेरी मां ने सुनील दत्त के साथ एक रेडियो नाटक किया था। मेरे पिताजी का परिवार बहुत रूढ़िवादी था। इसके चलते उन्होंने मम्मी का फिल्मों में काम करना रोक दिया। पिता ने उनसे कहा- मैं तुम्हारे लिए एक फिल्म बनाऊंगा, लेकिन तुम कभी फिल्म में काम नहीं करोगी।

आलिया की मां बोली- अब लोग दूसरे लोगों के लिए फैसले ले रहे

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्रिप्टिक नोट लिखा। पोस्ट में सोनी ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि लोग दूसरों की लाइफ के फैसले खुद ले लेते हैं। माना जा रहा है कि सोनी का यह पोस्ट बीते दिनों रणबीर-आलिया की ट्रोलिंग को लेकर हैं, जहां आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनका लिपस्टिक लगाना नहीं पसंद है। इस कमेंट के बाद आलिया-रणबीर दोनों को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया था। सोनी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा- 'यह मूर्खतापूर्ण चीज हर रोज बढ़ती जा रही है, जिसे कैंसिल कल्चर कहा जाता है। लोग दूसरे लोगों के लिए फैसले ले रहे हैं, कि उनकी जिंदगी क्या गलत चल रहा है। लोगों को क्यों लगता है कि वह दूसरों की जिंदगी की कमांड अपने हाथों में ले लेंगे। सोनी ने आगे लिखा- फिर हर कोई उन चीजों के बारे में डिबेट करता है, जिन लोगों का वास्तव में उनसे से कोई लेना-देना ही नहीं। हम ऐसे ही मजेदार समय में जी रहे हैं।'आलिया की मां ने भले ही किसी का नाम नहीं लिया हो, लेकिन माना जा रहा है कि उनका यह पोस्ट उन लोगों के लिए है, जो आलिया-रणबीर को ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल, आलिया ने हाल ही में एक मेकअप टुटोरिअल किया था। इस दौरान उन्होंने बातों-बातों में ये कह दिया कि जब भी वो कभी रणबीर कपूर के साथ डेट पर बाहर जाती हैं तो रणबीर उन्हें लिपस्टिक हटाने के लिए कहते हैं। आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनके होठों का नेचुरल कलर पसंद है।'

सनी ने बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम नहीं किया

गदर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद भी सनी देओल को काम मिलना बंद हो गया था। सनी ने कहा कि गदर के बाद सिनेमा में बदलाव आ गया था। इंडस्ट्री पर कॉर्पोरेट हाउसेज ने कब्जा कर लिया था। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री बॉलीवुड में तब्दील हो गई थी। प्रोजेक्ट कम होने लगे थे। इन्हीं सब वजहों से सनी देओल को गदर के बाद ज्यादा काम नहीं मिला। हालांकि अब 22 साल बाद इसके दूसरे पार्ट ने भी इतिहास रच दिया है। गदर-2 हिंदी फिल्म इतिहास की तीसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। सनी देओल इन दिनों गदर-2 की सफलता एन्जॉय कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कुछ चौंकाने वाली बातें कही हैं। सनी ने कहा- आज मैं यहां आपके बीच हूं, तो सिर्फ अपने काम की वजह से। गदर के बाद मैं कोई बड़ी फिल्म नहीं कर रहा था। बड़े लोगों और बड़ी कंपनियों के साथ काम नहीं कर रहा था। मैंने उस वक्त नए फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहा। आज वे सभी मेरे लिए काफी खुश हैं।

सनी चाहते हैं कि उन्हें गदर के बाद बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का मौका नहीं मिला। बड़े प्रोडक्शन हाउस भी उनके साथ काम करने से कतराते थे। सनी ने नए और छोटे फिल्म मेकर्स के साथ काम करना शुरू कर दिया। हालांकि सनी की फिल्में नहीं चलीं।

बुरी यादों को छोड़कर आगे बढ़े सनी

सनी ने आगे कहा- मैं ऐसा आदमी हूं जो खराब समय को सोचकर दुखी नहीं होता। मुझे पता है कि समय का चक्र लगा रहता है। सभी लोग अच्छे और बुरे समय का सामना करते हैं। मैं बुरी यादों को पीछे छोड़ सिर्फ अच्छी यादों को साथ रखना चाहता हूं। सभी जानते हैं कि गदर ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म किया था। लोगों के जेहन में आज भी यह फिल्म है। शायद इसी वजह से इसके दूसरे पार्ट के लिए इतनी दीवानगी देखी जा रही है। हम कह सकते हैं कि सनी देओल की वजह से नहीं, बल्कि गदर की लीगेसी की वजह से पार्ट-2 इतनी बड़ी ब्लॉकबस्टर हुई है। अगर सनी देओल की पिछली कुछ फिल्मों का रिकॉर्ड देखें तो 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'चुप' ने 9.75 करोड़ रुपए का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था।

जीआरपी भोपाल में दो दिन में दर्ज हुई चोरी की 10 एफआईआर

नेवी अधिकारी और डॉक्टर समेत 10 ट्रेन यात्रियों के मोबाइल व बैग चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्रेन में यात्रा अथवा प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार करना भी यात्रियों के लिए भारी साबित हो रहा है। जीआरपी भोपाल ने दो दिन में यात्रियों के मोबाइल व अन्य सामान चोरी होने की कुल 10 एफआईआर लिखी हैं। आम यात्रियों के अलावा चोरों ने नेवी के अफसर व डॉक्टर को भी निशाना बना डाला।

जीआरपी भोपाल के मुताबिक मूलरू से श्रीहरिपुरम मलकापुरम विशाखापट्टनम निवासी चितवंत सिंह कुशवाह नेवी में अधिकारी हैं। विगत 19 अगस्त को वह समता एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। उसी दौरान किसी अज्ञात बदमाश ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया। मोबाइल की कीमत साढ़े 17 हजार रुपए बताई गई है। फरियादी ने कोरियर के जरिए अपना शिकायती आवेदन जीआरपी पुलिस को भेजा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

इसी प्रकार मूलरूप से मंडला निवासी डॉ. उपेन्द्र शुक्ला विगत 24 अगस्त को मंडला से भोपाल आए थे। वह महर्षि विलास रेसीडेंसी भोजपुर काम से आए थे। काम होने के बाद मंडला जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। श्रीधाम एक्सप्रेस ट्रेन में उनका रिजर्वेशन था। वह प्लेटफार्म क्रमांक एक के गेट के सामने खड़े होकर ट्रेन की पोजीशन देख रहे थे। तभी कोई बदमाश उनका ट्राली बैग चुरा ले गया। बैग में करीब पांच हजार रुपए का सामान रखा था।

यह यात्री भी हुए चोरी का शिकार

सतना निवासी यतिक सोनी विगत 28 अगस्त को कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहे थे। विशाल ने अपना मोबाइल रखने के लिए यतिक सोनी को दिया था। रेलवे स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद देखा तो लोअर की पेंट से उसका और विशाल दोनों के मोबाइल गायब थे। टीकमगढ़ निवासी लखन साहू विगत 28 अगस्त को रात 12 बजे नए ब्रिज पर सो गए थे। उसी दौरान अज्ञात बदमाश ने उनका मोबाइल चुरा लिया। भोपाल निवासी हरीश आर्य विगत 27 अगस्त को गोंडवाना एक्सप्रेस से ग्वालियर से भोपाल की यात्रा परिवार के साथ कर रहे थे। यात्रा के दौरान किसी ने उनकी जेब से मोबाइल चुरा लिया। दमोह में रहने वाले राजा पटेल विगत 28 अगस्त को उज्जैन से भोपाल, दमोह जाने के लिए आए थे। नए ब्रिज पर सोते समय पिट्ठू बैग चोरी हो गया। सीहोर निवासी विक्रम सिंह विगत 28 अगस्त को झांसी से भोपाल आए थे। वह रेलवे स्टेशन भोपाल के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर कार्यालय के पास सो गए थे। किसी ने उनका बैग चुरा लिया। भोपाल निवासी सुरेन्द्र सिंह भदोरिया विगत 27 अगस्त को सोमनाथ एक्सप्रेस से वड़ोदरा जाने के लिए रेलवे स्टेशन भोपाल आए थे। ट्रेन लेट होने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक चार पर इटारसी छोर पर बैठे थे। रात करीब 11 बजे देखा तो जेब में रखा पर्स नहीं था। भोपाल निवासी प्रीत यादव विगत 27 अगस्त को प्रतापगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में भोपाल से विदिशा कि यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान उन्होंने अपनी पेंट की जेब में रखा मोबाइल देखा तो नहीं मिला। गंजबासौदा निवासी नवीन शर्मा विगत 26 अगस्त को भोपाल से गंजबासौदा जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। ट्रेन के इंतजार में उनकी नींद लग गई। नींद खुली तो पेंट की जेब में रखा मोबाइल चोरी हो चुका था।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित कृष्णापुरम कॉलोनी के पास रेलवे ट्रैक पर आज सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है।

मृतक के पास मिले मोबाइल से पुलिस ने परिजन से संपर्क किया था। इसके बाद घटना की जानकारी दी। परिजन आगरा से रवाना हो गए है। पुलिस ने मृतक का शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम कराने के बाद शाम को पुलिस परिजन को शव सौंपेंगी। एएसआई जीपी जोशी ने बताया कि मिसरोद रेलवे स्टेशन से पांच सौ मीटर की दूरी पर नर्मदापुरम जाने वाली ट्रैक से मंगलवार सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया था। मृतक की तलाशी लेने पर मोबाइल मिला। मोबाइल के आधार पर पुलिस ने संपर्क किया तो पता चला कि मृतक का नाम छोटू पिता भवानी शंकर वर्मा (18) है। छोटू मूलतः गांव किन्नापुरा, थाना फतेहगढ़, आगरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। परिजन से को मृतक का हुलिया और फोटो भेजी गई थी। परिजन ने उसकी पहचान कर ली है। परिजन ने पुलिस से कहा था कि वह पीएम करा दें।

कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल। कोलार पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद एक वृद्ध पिता की फरियाद पर उनके दो बेटों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी पिता को जान से मारने की धमकी देते हैं। बंजारी कोलार रोड निवासी रतन सिंह यादव के दो बेटे मुकेश व शेखर है। बंजारी में उनका तीन मंजिला मकान है। बेटों को मकान के पीछे वाला हिस्सा दे दिया है लेकिन वे चाहते हैं कि पिता की पूरी संपत्ति उनके नाम हो जाए। पिता की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो उन्होंने कोर्ट में परिवाद दायर कर दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद बेटों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

मावा और मिठाइयों की जांच

भोपाल। रक्षाबंधन पर्व पर मिठाई सहित खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी रोकने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी राजधानी के न्यू मार्केट, पुराने शहर सहित होटलों और दुकानों पर छापेमारी कर रहे हैं।

तहसीलदार की मौजूदगी में बयान दर्ज

युवक ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या का किया प्रयास, सूदखोर पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में शनिवार जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले युवक के बयान के बाद पुलिस ने सूदखोर पर मध्य प्रदेश ऋण अधिनियम और गालीगलौज समेत जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार जेजे शादी हॉल के पास जहांगीराबाद निवासी सलमान खान पिता जमीर खान (24) प्राइवेट काम करता है। शनिवार 26 अगस्त की दोपहर सलमान ने मच्छरों को मारने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रिप्लेंट ऑल आउट के तरल पदार्थ के तीन रिफिल पी लिए। हालत बिगडऩे पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई। फौरन उसे नजदीक के चरक अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को बयान दर्ज करने पुलिस की टीम दो बार अस्पताल पहुंची थी लेकिन होश में नहीं आने के कारण बयान नहीं हो सके थे। रविवार को

हालत में सुधार होने के बाद सलमान को होश आ गया था। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर तहसीलदार की मौजूदगी में बयान दर्ज किए। बयान में सलमान ने सूदखोर और पड़ोसियों समेत चार लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने बयान के आधार पर दानिश खान पर मध्य प्रदेश ऋण अधिनियम और गालीगलौज समेत जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है मामल की जांच की जा रही है। जांच के बाद और भी लोगों पर प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

खुले में शराब पीकर बर्थ डे मना रहा था निगरानी बदमाश, पुलिस ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित कलारी के पास खुले स्थान पर शराब पी रहे निगरानी बदमाश पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने उससे खुले में शराब पीने का कारण पूछा तो वह कहने लगा कि मेरा आज बर्थडे और शराब पीकर खुशी मना रहा हूं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक लाइन आर्डर ड्यूटी में जा रहे थे। इस दौरान रविवार रात करीब साढ़े 9 बजे के

आसपास उन्हें नेहरू नगर कलारी एक व्यक्ति नजर आया। वह कलारी के बगल मे छज्जे के नीचे शराब पी रहा था। प्रधान आरक्षक ने उसके पास पहुंचकर खुले में शराब पीने का कारण पूछा तो कहने लगा कि आज मेरा बर्थडे है। बर्थडे की खुशी शराब पीकर मना रहा हूं। पूछताछ में उसकी पहचान विक्रम सिंह रावत (35) डी 244 डी सेक्टर नेहरू नगर के रूप में की गई। हेड कांस्टेबल ने उसे गौर से देखा तो पता चला कि वहां गुंडा लिस्ट में शामिल है।

हेड कांस्टेबल उसे थाने लेकर पहुंचे और रिकार्ड देखा। इसके बाद गुंडा रजिस्टर मे एंट्री कराने के बाद ब्रीथ एनेलाइजर मशीन एल्कोविजर से एल्कोहल लेवल चेक किया गया। चेक करने पर एल्कोहल कंटेल मिलने पर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट की कार्रवाई की गई।

मंच पर खड़े समाजसेवी की जेब से 49 हजार चोरी

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित गोमती कॉलोनी में अज्ञात चोर ने समाजसेवी की जेब से 49 हजार रुपए की नगदी चुरा ली। पुलिस के अनुसार राकेश जैन (56) गोमती कालोनी, कमला नगर में रहते हैं। जैन ने पुलिस को बताया कि वह व्यापार के साथ समाजसेवा से भी जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि करूणा धाम मंदिर की कि स्थापना दिवस की शोभायात्रा कार्यक्रम का आयोजन नेहरू नगर में था। वे मंच पर अपने साथियों में राजेद्रं राठौर, रोहित जाधव सहित अन्य लोग के साथ खड़े थे। इसी बीच मुख्य अतिथि बतौर वहां गुरुजी पहुंचे थे। सभी लोग गुरुजी के स्वागत में मंच से नीचे उतरे थे। इसी बीच उनके पैजामें की जेब में रखी 49 हजार रुपए की गड्डी किसी ने चुरा ली।

कमला नगर में युवक ने फांसी लगाई

पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश, जांच शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगरड़थाना क्षेत्र स्थित आकृति गार्डन के पास एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

उसकी लाश परिजन ने पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। पुलिस के अनुसार दीपक ठाकुर पिता नानूराम ठाकुर (22) पुलिस पेट्रोल पंप के सामने झुग्गी बस्ती में रहता था। वह सूखे नशे करता था। रविवार रात दीपक घर से बिना बताए निकला था। फिर नहीं लौटा। सोमवार सुबह लोगों ने उसकी लाश आकृति कॉलोनी के पास पेड़ पर लटकी देखी।

जानकारी परिजन को लगी और वह भी मौके पर पहुंच गए थे। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक की तलाशी ली तो जेब में चिलम मिली है। लोगों ने बताया कि दीपक गांजा, चरस समेत सूखे नशे करता था। जिस जगह उसने फांसी लगाई है उसी जगह वह बैठकर नशे करता था।

मेट्रो एंकर रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित अमरपुरा गांव का मामला

तेज आवाज में गाना गाने से नाराज पड़ोसी ने नाबालिग से की मारपीट, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित अमरपुरा गांव में तेज आवाज में गाना गाने की बात को लेकर दो युवकों ने एक व्यक्ति के साथ गालीगलौज कर दी। पिता के साथ गालीगलौज होती देख बेटे ने विरोध जताया तो आरोपियों ने उसके साथ डंडे से मारपीट कर दी। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार विशाल जाटव पिता प्रभूलाल जाटव अमरपुरा गांव रातीबड़ में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रविवार रात करीब साढ़े 9 बजे वह अपने पिता प्रभू लाल के साथ घर पास चौराहा अमरपुरा में खड़े थे। इस दौरान गांव के नीरज जाटव और जमना प्रसाद जाटव आए और मेरे पिताजी को कहने लगे

कि तुम शराब के पीकर तेज तेज गाना क्यों गाते हो? इस पर मेरे पिताजी ने कहा कि गाने में अपने घर में सावन के अवसर पर गाता हूं। नीरज और जमना प्रसाद पिताजी के साथ गालीगलौज करने लगे। विशाल ने उन्हें गाली देने से मना किया तो नीरज जाटव ने उसे पकड़ लिया और जमनाप्रसाद ने हाथ मे रखे डंडे से उसके साथ मारपीट की। मारपीट में उसे बांए पैर मे चोट आई है। विवाद का शोर सुनकर विशोल के ताऊ रमेश व बडी मम्मी पान बाई पहुंची और उन्होंने बीच बचाव किया। इस दौरान आरोपियों ने धमकी देते कहा कि आइंदा हम से उलझा तो जान से खत्म कर देंगे।

इधर, युवक के सिर पर किया डंडे से हमला

इसी प्रकार इमरत जाटव (32) निवासी अमरपुरा ने शिकायत करते हुए बताया कि रविवार रात वह अपने घर पर था। इस दौरान चौराहा पर लड़ाई झगड़े की आवाज सुनकर वह देखने पहुंच गया। इसी बीच उसके सिर पर किसी ने पीछे से डंडे से हमला कर दिया। इमरत ने पटलकर देखा तो पीछे विशाल खड़ा था। उसने विशाल से डंडा मारने का कारण पूछा तो वह गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस ने इमरत की शिकायत पर विशाल के खिलाफ मारपीट, गालीगलौज और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022